दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूं न लिखूं सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 06
अंकः-128
मुरादाबाद
(Saturday)
29 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

खुशखबरीः लद्दाख में अब हाई कोर्ट की बेंच, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी;लोगों को न्याय मिलना होगा आसान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लद्दाख में हाई कोर्ट की पीठ स्थापित करने के लिए एक विनियमन जारी किया है। इससे लद्दाख के लोगों को न्याय तक पहुंच आसान होगी।

यह कदम संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत उठाया गया है।लद्दाख के पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले आम नागरिकों और मुकदमों के मुवक्किलों के लिए न्याय पाना अब बेहद आसान और सुलभ होने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में जम्मू-कश्मीर और

लद्दाख साझा हाई कोर्ट की नियमित बेंच (पीठ) के आयोजन का रास्ता पूरी तरह साफ कर दिया है। गुरुवार को राष्ट्रपति की ओर से जारी किए गए इस नए नियम के तहत अब लद्दाख के वादकारियों (मुकदमेबाजों) को सुनवाई के लिए श्रीनगर या जम्मू के चक्कर काटने से बड़ी राहत मिलेगी।

यह निर्णय न केवल न्यायिक सुगमता की दिशा में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव है, बल्कि सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों को उनके अधिकारों के प्रति सुरक्षा और कानूनी सशक्तिकरण का मजबूत भरोसा भी दिलाता है। राष्ट्रपति ने %द यूनियन टेरिटरी ऑफ लद्दाख (सिटिंग ऑफ बेंच ऑफ द हाई कोर्ट ऑफ जम्मू एंड कश्मीर, एंड लद्दाख इन लद्दाख) रेगुलेशन, 2026% को मंजूरी दे दी है।

यह विनियमन संविधान के अनुच्छेद 240 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 58(2) के तहत जारी किया गया है। यह विनियमन लद्दाख में साझा हाई कोर्ट की एक पीठ के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है।इसके अनुसार, हाई कोर्ट के न्यायाधीश और खंडपीठ लद्दाख में किसी भी स्थान पर बैठ सकते हैं। इस स्थान का निर्धारण मुख्य न्यायाधीश द्वारा लद्दाख के उपराज्यपाल की मंजूरी से किया जाएगा। हालांकि, हाई कोर्ट की मौजूदा प्रधान पीठ में कोई बदलाव नहीं होगा। मुख्य न्यायाधीश को यह अधिकार भी होगा कि वे लद्दाख से संबंधित किसी भी मामले को श्रीनगर या जम्मू में सुनवाई के लिए निर्देशित कर सकें।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमलाः 'जो जेपी को बेच सकते हैं, उनसे उम्मीद क्या?' रक्षाबंधन पर महिलाओं को खास वचन

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सैफई में रक्षाबंधन के मौके पर जनता से मुलाकात के दौरान भाजपा सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा कि जो लोग जयप्रकाश नारायण (जेपी) को बेच सकते हैं, उनसे किसी भलाई की उम्मीद नहीं की जा सकती।इटावा जिले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सैफई में पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता से मुलाकात की। इस दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार पर तीखे जुबानी हमले किए। अखिलेश यादव ने महिलाओं, किसानों, शिक्षा और बढ़ती महंगाई के मुद्दों को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया।सपा प्रमुख ने महिलाओं को आश्वासन देते हुए कहा कि आने वाले समय में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं की रक्षा, सुरक्षा, सम्मान और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाएगी। उनके उत्थान के लिए पूरे सम्मान के साथ नीतिगत निर्णय लिए जाएंगे। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने जयप्रकाश नारायण (जेपी) के नाम और उनके विचारों को बेच दिया है।जो जेपी को बेच सकते हैं, उनसे किसी भलाई की उम्मीद नहीं- जिस जेपी की तस्वीर रखकर कभी भाजपा ने अपने गठन के समय खुद को समाजवादी होने का ढोंग किया था, आज वही लोग उन्हें बेच रहे हैं। जो जेपी को बेच सकते हैं, उनसे किसी भलाई की उम्मीद नहीं की जा सकती। महंगाई पर घेरते हुए अखिलेश ने कहा कि जहां एक तरफ चीनी के दाम आसमान छू रहे हैं(वहीं पेट्रोल में एथेनॉल मिलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत चुनिंदा लोगों को लाभ पहुंचाकर उनसे चंदा वसूलने के लिए ये सब किया जा रहा है। महंगाई और फीके पड़े त्योहार- पेट्रोल-डीजल और अन्य जरूरी सामानों के महंगे होने से बाजारों से रौनक गायब है और त्योहार फीके पड़ गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार खुद मुनाफा कमाने में जुटी है और उद्योगपतियों को खुली छूट देकर मुनाफे का बंटवारा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा बड़ी कंपनियों के साथ किए जा रहे एमओयू (समझौता ज्ञापनों) पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे समझौते किए जा रहे हैं, जिससे किसानों के हाथ से खेती छिन जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

22 हजार करोड़ का दावा, सुभाष चंद्रा देंगे 6.5 करोड़- राहुल का तंज- NCLT बना लूट ट्रिब्यूनल

22 हजार करोड़ रुपये से अधिक के दावों के बदले 6.5 करोड़ रुपये की भुगतान योजना मंजूर होने पर सियासी विवाद तेज हो गया है। कांग्रेस इसे आम लोगों और चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए अलग-अलग व्यवस्था का उदाहरण बता रही है।राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण ने मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा की व्यक्तिगत दिवालियापन प्रक्रिया में भुगतान योजना को मंजूरी दे दी है। इसके तहत करीब 22,006.57 करोड़ रुपये के मंजूर दावों के बदले कर्जदाताओं को सिर्फ 6.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। कांग्रेस ने इस फैसले को लेकर केंद्र सरकार और न्यायाधिकरण पर हमला बोला। राहुल गांधी ने क्या कहा? - राहुल गांधी ने न्यायाधिकरण को 'नेता-कंपनी लूट न्यायाधिकरण' बताया। उन्होंने कहा कि देश में दो अलग व्यवस्थाएं बना दी गई हैं। एक कुछ चुनिंदा अरबपतियों के लिए और दूसरी आम लोगों के लिए। उन्होंने कहा कि किसान का 50 हजार रुपये का कर्ज न चुकाने पर जमीन नीलाम हो जाती है, जबकि नौकरीपेशा व्यक्ति की किस्त छूटने पर बैंककर्मी घर पहुंच जाते हैं। समर्थन मिला। विरोध करने वाले कर्जदाताओं की हिस्सेदारी 20 फीसदी से कम थी। भारतीय जीवन बीमा निगम आवास वित्त के नेतृत्व वाले कर्जदाताओं ने योजना का विरोध किया। न्यायाधिकरण के दो सदस्यों का फैसला अलग-अलग था। तीसरे सदस्य निलेश शर्मा ने 144 पन्नों के आदेश में योजना को मंजूरी दी।

'अटूट रहे प्यार और भरोसे का बंधन': रक्षाबंधन पर पीएम मोदी ने देश को दी बधाई, कांग्रेस अध्यक्ष भी बोले

आज देशभर में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने इस मौके पर सभी के जीवन में खुशी और सफलता के लिए प्रार्थना की। रिश्तों में मिठास और भाई-बहन के अटूट प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन आज देशभर में मनाया जा रहा है। इस खास मौके पर नेताओं ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। कई नेताओं ने बहनों से राखी बंधवाई और इस पर्व के जरिए भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के रिश्ते को याद किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों के साथ रक्षा बंधन मनाया। इस दौरान वे छात्रों से हाथों से दिल बनाते नजर आए। इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर लिखा, 'रक्षाबंधन के मौके पर हार्दिक शुभकामनाएं। यह पवित्र त्योहार आप सभी के जीवन में खुशी, समृद्धि और सफलता लाए। प्यार, स्नेह और आपसी भरोसे का बंधन हमेशा अटूट बना रहे - यही मेरी हार्दिक कामना है।'रक्षाबंधन के मौके पर वात्सल्य ग्राम की बहनों ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को राखी बांधी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रक्षाबंधन के मौके पर स्नेहबंधन कार्यक्रम में शामिल हुए।क्षाबंधन के अवसर पर लोकसभा के विपक्ष नेता राहुल गांधी ने प्रियंका गांधी के साथ तस्वीर साझा की। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रक्षा बंधन के अवसर पर शुभकामनाएं दिया। उन्होंने इसे भाई-बहन के बीच प्यार, भरोसा और स्नेह से भरा बताया।

आपदा की आहटः चीन में आया 5.1 तीव्रता का भूकंप, नेपाल में फिर बाढ़ का अलर्ट त्रिशूली इलाका कराया जा रहा खाली

चीन के सिचुआन में 5.1 तीव्रता का भूकंप आने के बाद नेपाल में फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। नेपाल पुलिस ने तिब्बत की तरफ पानी का बांध फिर टूटने की सूचना देते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी है। इस बीच, नेपाल में बाढ़ से मौतों का आंकड़ा 469 पहुंच गया है, जबकि 1,545 लोग लापता हैं।चीन के सिचुआन प्रांत में शुक्रवार को 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद नेपाल में एक बार फिर बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। नेपाल पुलिस के मुताबिक, तिब्बत की तरफ पानी का बांध फिर टूटने की सूचना मिली है। इससे ऊपर से पानी का तेज बहाव आने और त्रिशूली नदी का जलस्तर बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। खतरे को देखते हुए त्रिशूली इलाके को एक बार फिर खाली कराया जा रहा है। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के अनुसार, भूकंप सिचुआन प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित लोंगचांग शहर में आया। चीनी मीडिया ष्टत्रञ्ज्ञ ने भी इसकी जानकारी दी है। तिब्बत की तरफ बांध टूटने की सूचना- भूकंप के बाद नेपाल पुलिस ने लोगों को तत्काल सतर्क रहने की चेतावनी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच ङ्ग पर कहा कि उसे सूचना मिली है कि तिब्बत की तरफ पानी का बांध फिर टूट गया है। नेपाल पुलिस ने सुरक्षा कर्मियों, राहत और बचाव कार्य में लगे कर्मचारियों तथा आम लोगों से तुरंत सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। पुलिस ने लोगों से आसपास मौजूद अन्य लोगों को भी खतरे की जानकारी देने को कहा है। त्रिशूली इलाके में ऊपर से आने वाले पानी के तेज बहाव को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। ।सेना और हेलीकॉप्टरों से बचाव अभियान जारी- नेपाल की प्रतिनिधि सभा में विपक्ष के नेता भीष्म राज आंगदेम्बे ने त्रिशूली में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद नेपाली सेना बचाव अभियान में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि इलाके का भौगोलिक स्वरूप और खराब मौसम बचाव अभियान के लिए चुनौती पैदा कर रहे हैं।

रक्षाबंधन पर रोडवेज की व्यवस्थाएं ध्वस्तः बसों के लिए तरसीं बहनें, घंटों इंतजार के बाद भी नहीं मिली सीट

ट्रेनों की खिड़कियों पर लटके, बसों की छतों पर चढ़े

रक्षाबंधन पर फिरोजाबाद बस स्टैंड पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन पर्याप्त बसें नहीं मिलने से बहनों और उनके परिवारों को घंटों इंतजार करना पड़ा।फिरोजाबाद में रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जहां एक ओर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए उत्सुक हैं, वहीं दूसरी ओर यूपी रोडवेज की लचर व्यवस्था ने उनकी खुशियों पर पानी फेर दिया है। फिरोजाबाद बस स्टैंड पर बसों की भारी किल्लत के चलते दूर-दराज जाने वाली महिला यात्रियों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है।शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर सुबह से ही फिरोजाबाद बस स्टैंड पर बहनों और उनके परिवारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का दावा तो किया गया, लेकिन स्टैंड पर पर्याप्त बसें न होने से यह दावा हवाई साबित हो रहा है। बस स्टैंड पर घंटों इंतजार करने के बाद भी यात्रियों को बसें नसीब नहीं हो पा रही हैं।फिरोजाबाद बस अड्डे से आगरा, मथुरा, इटावा, कानपुर, मैनपुरी, बरेली, औरैया और फर्रुखाबाद जैसे प्रमुख रूटों पर जाने वाली बसों का अकाल पड़ा हुआ है। जो बसें आ भी रही हैं, वे पहले से ही ठसाठस भरी हुई हैं। आलम यह है कि चलती बसों में चढ़ने के लिए महिलाओं और बच्चों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।यात्रियों में बढ़ा आक्रोश घंटों से भीषण गर्मी और धूप में बस का इंतजार कर रही महिलाओं का गुस्सा रोडवेज प्रशासन के खिलाफ फूट रहा है। यात्रियों का कहना है कि रक्षाबंधन जैसे बड़े त्योहार पर परिवहन निगम को अतिरिक्त बसों की व्यवस्था करनी चाहिए थी। बसों के न मिलने से कई बहनें समय पर अपने भाइयों के घर पहुंचने को लेकर चिंतित हैं। वहीं, मजबूरी में कई यात्री डग्गामार और निजी वाहनों में भारी किराया देकर सफर करने को मजबूर हैं। रक्षाबंधन पर घर पहुंचने की होड़ में आगरा के रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। ट्रेनों में जगह नहीं मिलने पर लोग दरवाजों और खिड़कियों पर लटककर सफर करते दिखे, जबकि बसों में भी अव्यवस्था से यात्री परेशान रहे।कोच पहले से भरे होने के कारण जगह के लिए धक्का-मुक्की हुई।

संपादकीय Editorial

Vande Mataram on the chessboard

The two days of the Himachal Assembly session were either spent singing Vande Mataram or washed away by the dissonant tune of the national anthem. There's neither tune nor rhythm, but rather, parties are advocating their national stances for political gain. The issue here isn't national anthem versus national song, but rather, it's about unearthing buried graves where the history of independence has become a wet cat. In its attempts to transform independence from a political legacy into a chessboard, the BJP, agitated across the country, has usurped the very spirit of the Himachal Assembly session. The devastated atmosphere of the debate suggests that national concerns will be overshadowed in this contest.

A new controversy is transforming the singing of two verses of Vande Mataram into the culture of the entire song, while the country's preoccupation with the creation of controversies from the womb of history has increased.

Bankim Chandra Chatterjee's Vande Mataram held sway during the Independence Day Congress party's rendition of it, but some passages remained hidden. Now, in an attempt to elevate the national anthem from a mere 1.25 to a metre, politics is being drenched in a barrage of all the anthem's verses. Surprisingly, the national aims of the BJP and Congress are clashing even at the entrance of the Himachal Assembly. The language of the movement has become Vande Mataram versus Jana Gana Mana.

Is this a tragedy of human character, or will we, under this pretext, abandon our more pressing issues and become the subject of an unnecessary debate? In the context of Himachal, many issues and questions demand their leadership in the Assembly session, but political parameters are at war elsewhere, far removed from the expectations of ordinary citizens. Given the way Jen Ji and Jen Alpha have portrayed the language and expectations of the entire country, the poverty of political understanding is being exposed by creating animosity in national anthems. This delusion will prove costly in the long run. Attempts to shift the focus from 2026 to 1926 will not be acceptable to Jain ji under any circumstances.

Himachal's political sentiments are not those that prevent the House from functioning, but rather those that relate to issues of students and youth. In the face of a frustrated education environment and the search for employment options, the modern generation will have to adapt their solutions and resolve. If the disruption of House proceedings for two days is our direction, then it will not be acceptable to future generations.

Their meaning, their customs, and the revolutionary proclamations emerging from their priorities are being addressed differently, so their sensibilities must be understood.

In the Himachali context, Captain Ram Singh's role in the national anthem needs to be remembered. Captain Ram Singh of Dharamshala gave it vitality by composing the tune. For the common citizen, the national anthem and the national anthem are the guardians of the nation's emotions. It is not necessary to extract political costs from them. However, political behavior is changing in the efforts to change the symbols and reflections of the ever-new definition of nationalism. Let's see how long this sky can stay clear of clouds on this intense topic.

These stains are not good in politics, everyone is naked in the bathhouse.

It's not that there isn't already a legal system in place to curb those with tainted political connections. Currently, there's a provision for the cancellation of membership in case of a two-year sentence in criminal cases. However, a solution to this was recently found. It's no coincidence that whenever the debate on purity in politics has arisen, the dominance of those with tainted reputations has increased. Now, the situation is such that a debate has erupted over bringing even the Prime Minister and Chief Minister into the ambit of criminal or corruption cases. The latest figures presented by the amicus curiae in the Supreme Court are shocking. Of the 542 elected MPs in this Lok Sabha, 251 have tainted reputations. Of these, 170 MPs face serious criminal charges. Similarly, 75 out of 233 members of the Rajya Sabha are tainted, 40 of whom face serious criminal charges. Criminal Cases Against Chief Ministers - Forget about MPs, 14 out of 28 Chief Ministers in the country have criminal charges. Telangana CM Revanth Reddy has the highest number of criminal charges at 89. He is followed by West Bengal CM Suvendu Adhikari with 29, and Karnataka CM DK Shivakumar with 19. Kerala is the only state where 19 out of 20 MPs are tainted. Following this, Tamil Nadu has 26 out of 39 MPs, Telangana has 14 out of 17 MPs, Odisha has 16 out of 21 MPs, and Jharkhand has 10 out of 14 MPs. Across the country, 4,192 criminal cases involving MPs and MLAs are currently pending. Despite the Supreme Court's strictness in resolving criminal cases against politicians, on average, more cases are added than settled. Last year, 1,243 cases were settled, and 1,050 new cases were added.

A large number of tainted MPs - Despite efforts to expedite hearings in MP-MLA courts, the number of cases has not decreased. In 2018, there were a total of 4,122 cases. In 2020, this number increased to 4,859. The number of tainted MPs has also increased year after year. In 2009, the number of tainted MPs was 162. In 2014, this number increased to 185. In 2019, it reached 233, and now, in the 2024 Lok Sabha, this number has reached 251. Tainted leaders, who wear tainted white khadi, are present in most parties. The BJP has 94, the Congress has 49, the SP has 21, and regional parties like the Trinamool Congress, the DMK, the TDP, and the Shiv Sena have many tainted leaders. Petition for a lifetime ban on tainted candidates from contesting elections - During the latest hearing, the Supreme Court acknowledged that the menace of criminalization in politics requires major surgery. A case is currently pending in the Supreme Court seeking a lifetime ban on tainted candidates from contesting elections. During the preliminary hearing, the Supreme Court sought the views of the Election Commission, the Central Government, and the states. It's not that there isn't already a legal system in place to curb tainted candidates in politics. Currently, there's a provision for the cancellation of their membership in case of a two-year sentence in criminal cases. However, a solution to this was recently found. Ministers Playing Politics from Jail - When Lalu Prasad Yadav was tainted by the fodder scam in Bihar, he installed his wife Rabri Devi in ??the position and continued to run the government from prison. Similarly, when Arvind Kejriwal was targeted in the liquor scam, he did not resign but ran the government from jail for a few days. Later, he appointed Atishi as the CM face, continuing his and AAP's (Aam Aadmi Party) political career. In Tamil Nadu, Senthil Balaji remained a minister without a ministry (department), and ultimately the Supreme Court had to intervene. A tradition dating back to Jayalalithaa's time: In fact, the foundation for this tradition was laid during Jayalalithaa's tenure. In 2014, while serving as Chief Minister, Jayalalithaa was convicted and arrested. After being imprisoned, she handed over the reins to Panneerselvam. However, the prison manual does not allow her to run the government from prison, convene cabinet meetings, or sign files. This is why, forced to seek another face who would serve as a face, but the keys to power remained in the hands of her masters.

Purity in politics: To ensure purity in politics, during the 75th anniversary of Independence, or Amrit Kaal, a provision was made that governments would not withdraw criminal cases against politicians. Approval from the High Court or MP-MLA court was required for this. Subsequently, the governments withdrew 76 cases in Uttar Pradesh and 61 in Karnataka. The Election Commission has established a system to publicly disclose the criminal records of candidates to ensure political purity. Despite this, some candidates have been accused of concealing the truth. The Election Code of Conduct has been of little use to such elected leaders. In Bihar, the birthplace of the Republic, Vaishali, in 2021, the Supreme Court convicted nine such parties in contempt cases and fined eight. The 130th Constitutional Amendment Bill: In response to this crisis of political purity, an initiative is being taken through the 130th Constitutional Amendment Bill. If the Prime Minister, Chief Minister, or any public representative is detained or imprisoned for 30 days for serious crimes or corruption, they will automatically resign from office on the 31st day. However, this draft has sparked debate both for and against it. Those in power, advocating this system, claim that it will instill fear among corrupt elements in politics and lead to a move towards clean politics. On the other hand, the opposition argues that in such a situation, any elected The government could be harassed as part of vendetta politics by being put behind bars. The question also arises whether this provision would be against the constitutional framework and the states. Indeed, a new era of "how is his shirt whiter than ours" and "laundry-washing machine" politics has begun in politics. Stains on others are not pleasant, but the same stains are not visible on one's own.

Black money weakens democracy - While hearing a case regarding reforms in the electoral process, the Supreme Court even stated that black money weakens democracy. Using money and power to woo or influence voters is wrong. It mandated that agencies disclose seized cash or property within 24 hours. Investigation reports should be submitted within three months. Investigations should be completed and action taken within a year. The High Court should establish special courts and expedite the disposal of cases.

Seizure of cash and property before elections - Now, consider the statistics. Since the announcement of the last Lok Sabha election dates, cash and property worth approximately ?100 crore have been seized daily. In 2024, total seizures amounted to ?4,650 crore, compared to ?3,475 crore in 2019. By 2024, a 75-year record for seizures during elections was broken. This also demonstrates that the more restrictions were tightened, the more unbridled things became.

Most parties that had questioned the integrity of politics continued to field winning candidates. The political chessboard was laid out using money, power, and casteism. Pieces were procured and acquired. Black money seizure figures surged, while a barrage of populist announcements continued during elections. In some states, promises remained unfulfilled after governments were formed. The government treasury was depleted in the pursuit of freebies. The wheel of development stalled, and even employees and officials struggled to pay their salaries. The cycle of development and employment was affected. Voters too, seeking immediate benefits, continued to be entangled in the web of this promise (free sweets).

When will the face of politics change? In such a situation, the question arises: how long will the Election Commission and the Supreme Court continue to crack the whip for purity in politics? Now, without a collective effort from political parties, leaders, voters, constitutional institutions, especially the Election Commission, the Supreme Court, the executive, and the judiciary, hoping for a change is futile. If everything remains at the mercy of God, then these political stains will continue to be levied in this largest democracy of the people, by the people, and for the people, because everyone is naked in this bathhouse.

What is the true history of the discovery of Sarnath? Babu Jagat Singh paved the way.

Historical facts about the discovery of Sarnath confirm that it was discovered not by Alexander Cunningham, but by Babu Jagat Singh. In 1787, Babu Jagat Singh ordered excavations in the area to build a market in his name, which yielded human bones and a Buddha statue. A Chunar sandstone box was found inside the stupa in 1835. Jagat Singh's workers dug approximately six feet and left the stone box behind. Major Kitto conducted the full excavation. Historical facts about the discovery of Sarnath, a world-renowned Buddhist shrine and tourist center, confirm that it was discovered by Babu Jagat Singh of Varanasi. Later, Alexander Cunningham claimed the credit. Cunningham excavated it based on Babu Jagat Singh's information. Now, after a thorough investigation of the historical facts, the Archaeological Survey of India (ASI) has acknowledged Babu Jagat Singh's contribution. According to ASI Director General Y.S. Rawat, the plaque (inscription) installed in the Sarnath complex has now been revised, acknowledging Jagat Singh's role. The new plaque states that the site's importance came to light in the late 18th century when Babu Jagat Singh excavated an ancient mound for construction materials. Around 1787, Babu Jagat Singh, the landlord of Sarnath, discovered a pile of bricks and stones in the area. He had the area excavated to establish a market in his name. This market is still known as Jagatganj. During excavations about 520 feet west of the Dhamekh Stupa, human bones, gold leaf, and other precious gems were found in a box at a depth of 18 feet beneath the pile of bricks and stones. A statue of Buddha was also found, beneath which was an inscription by the Pala king Mahipala. The inscription is dated Vikram Samvat 1083 (AD 1026). However, according to Cunningham, the Chunar sandstone box was found inside the stupa in 1835. He discovered it based on information provided by a man.

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पति पर गला घोंटकर हत्या का आरोप; 3 मासूमों के सिर से उठा मां का साया

♦ मैनाठेर में पारिवारिक कलह के बाद महिला की संदिग्ध मौत के बाद जांच में जुटी फॉरेंसिक टीम

मुरादाबाद के मैनाठेर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने मृतका के फरार पति पर गला घोंटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मैनाठेर थाना क्षेत्र में एक 26 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान शान मोह (26 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतका के परिजनों ने महिला के पति पर ही गला घोंटकर हत्या करने का संगीन आरोप लगाया है।

वारदात के बाद से आरोपी पति मौके से फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें दबिश दे रही हैं।

7 साल पहले हुई थी शादी, अक्सर रहता था विवाद- प्राप्त जानकारी के अनुसार, शान मोह का निकाह करीब सात वर्ष पूर्व मैनाठेर क्षेत्र के ही रहने वाले एक युवक के साथ हुआ था। शादी के बाद दंपती के तीन बच्चे हुए। स्थानीय लोगों और परिजनों का कहना है कि बीते कुछ समय से पति-पत्नी के बीच अक्सर घरेलू कलह और झगड़े होते रहते थे। बताया जा रहा है

कि घटना वाले दिन भी घर के भीतर किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसके कुछ देर बाद ही शान मोह की संदिग्ध हालत में मौत हो गई।फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, शव का कराया जा रहा पोस्टमार्टम- महिला की मौत की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही मैनाठेर पुलिस भारी बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। शुरुआती जांच में पुलिस भी गला घोंटने से मौत होने की आशंका जता रही है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी। आरोपी पति फरार, गिरफ्तारी के लिए दबिश जारी- इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतका के तीनों छोटे बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार और रिश्तेदारों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि आरोपी पति वारदात को अंजाम देने के बाद से फरार है। उसकी जल्द गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। परिजनों की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद रेल मंडल में मनाया गया संरक्षाबंधन, यात्रियों को किया सुरक्षा के प्रति जागरूक

♦ यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए स्टेशनों पर हुए कार्यक्रम

मुरादाबाद रेल मंडल ने रक्षाबंधन के अवसर पर %संरक्षाबंधन% विशेष अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत मुरादाबाद, देहरादून सहित अन्य स्टेशनों पर सेल्फी बूथ और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यात्रियों को सुरक्षित रेल यात्रा और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। रक्षाबंधन के पर्व के उपलक्ष्य में मुरादाबाद रेल मंडल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा एवं सुविधा के लिए संरक्षाबंधन के रूप में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। गुरुवार को मुरादाबाद, देहरादून, हरिद्वार, शाहजहांपुर, हरदोई एवं हापुड़ स्टेशनों पर यात्रियों को सुरक्षित रेल यात्रा के प्रति जागरूक किया गया।मुरादाबाद स्टेशन पर संरक्षाबंधन सेल्फी बूथ का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव की मौजूदगी में छोटी बच्ची ने फीता काट कर किया। सेल्फी बूथ में प्रदर्शित ट्रेन मैनेजर के कटआउट को राखी बांधकर संरक्षाबंधन सेल्फी बूथ का शुभारंभ किया।वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी राजीव गुप्ता ने मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव को पौधे का गमला भेंट किया। अधिकारियों ने बताया कि सेल्फी बूथ के माध्यम से यात्रियों को रक्षाबंधन के साथ सुरक्षित रेल यात्रा का संदेश दिया जा रहा है। एक राखी, एक वचन विषय पर स्काउट्स एवं गाइड्स की टीम ने रेलवे स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से यात्रियों को रेल यात्रा के दौरान सुरक्षा एवं संरक्षा संबंधी सावधानियों, रेलवे परिसर में सतर्कता बरतने, निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा किसी भी असुरक्षित गतिविधि से बचने के प्रति जागरूक किया गया।

रोडवेज बस स्टैंड पर उमड़ी महिलाओं और सहयात्रियों की भीड़

महिलाओं ने रक्षाबंधन पर तीन दिन की मुफ्त बस सेवा को सराहा, सफर करने आईं मुस्लिम महिलाओं ने भी सरकार की प्रशंसा की

रक्षाबंधन पर यूपी रोडवेज की 3 दिन की फ्री बस सेवा का लाभ उठाने के लिए मुरादाबाद बस स्टैंड पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी।रक्षाबंधन पर राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं सहयात्रियों के साथ सुबह से ही मुरादाबाद और पीतल नगरी डिपो पर पहुंचने लगीं। शहर के दोनों ही बस स्टैंड पर महिलाओं और सहयात्रियों की भारी भीड़ रही। बसों में चढ़ने के लिए कई बार धक्का-मुक्की के भी हालात बन गए। रक्षाबंधन पर तीन दिन तक सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा सरकार के द्वारा देने पर इसकी सराहना महिला यात्रियों ने की।

रक्षाबंधन पर राखी बांधने जाने के लिए सुबह से ही मुरादाबाद व पीतल नगरी डिपो पर महिलाओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

वह महिलाएं जो भाई के घर जाने के लिए जल्द टिकट हासिल करना चाह रही थीं उन्होंने फ्री बस सेवा सुविधा की तारीफ की। डिपो में तैनात परिचालकों ने बताया कि आज सामान्य दिनों की तुलना में महिला यात्रियों की संख्या में बढ़ी है। यात्रा करने आईं महिलाओं ने बताया कि फ्री के साथ ही बस सेवा सुरक्षित व समय से चल रही हैं।निर्मला देवी ने बताया कि पहले भाई के घर जाने में खर्च और सुरक्षा की चिंता रहती थी, लेकिन इस योजना से चिंता कम हो गई है। मध्यम और कमजोर वर्ग की महिलाएं भी आसानी से त्योहार पर अपने भाई के घर राखी बांधने के लिए पहुंच पा रही हैं। सेवा प्रबंधक अनुराग यादव ने बताया कि सुबह के समय कुछ रूटों पर बसों की संख्या बढ़ाई गई है। महिलाओं के लिए अलग कतारों और आवश्यक निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया गया है।

महिलाओं से बातचीत-सरकार की यह योजना मध्यम और कमजोर वर्ग की महिलाओं के लिए काफी मददगार साबित हो रही है। रक्षाबंधन पर अपने भाई के घर जाने में आर्थिक परेशानी से नहीं जूझना पड़ रहा है। -प्रिया जोशी, पिछले कई वर्षों से चलाई गई सरकार की इस योजना से रक्षा बंधन पर अपने भाई के घर जाने में पैसों के लिए सोचना नहीं पड़ता है। हर बार बहनें आसानी से भाई के घर पहुंच जाती हैं। -सीमा सिंह, हिंदू बहनों के साथ ही रक्षाबंधन पर फ्री यात्रा सुविधा का लाभ मुस्लिम बहनों को भी मिल रहा है। सरकार की रक्षा बंधन पर मुफ्त सफर की सुविधा बहुत महत्वपूर्ण है। -गुलिस्ता परवीन, मुरादाबाद,महिलाओं के साथ एक सहयात्री को भी मुफ्त सफर की सुविधा देकर सरकार ने काफी मदद की है। महिला के साथ देखभाल के लिए एक व्यक्ति का फ्री टिकट करने से सफर सुरक्षित रहेगा। -मनीषा सिंह, बरेली

मुरादाबाद में अज्ञात वाहन की टक्कर से मादा तेंदुए की मौत, दहशत में ग्रामीण

मुरादाबाद-बिजनौर राजमार्ग पर एक मादा तेंदुए की वाहन की टक्कर से मौत हो गई, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। मुरादाबाद-बिजनौर राजमार्ग पर वाहन की टक्कर से मादा तेंदुए की मौत। वन विभाग ने कई गांवों में तेंदुए की तलाश व जागरूकता अभियान चलाया। तेंदुए के खौफ से किसान खेतों पर जाने से डर रहे हैं। मुरादाबाद-बिजनौर राजमार्ग पर सुबह तेंदुए का शव बीच सड़क पर पड़ा देख ग्रामीण दहशत में आ गए। लोगों की सूचना पर टीम के साथ मौके पर पहुंचे डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र कुमार सिंह ने मादा तेंदुए की हादसे में मौत होने की पुष्टि की है, उन्होंने तेंदुए को आंतरिक चोटें आने की बात कही है। ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। गुरुवार सुबह मथाना और रजपुर गांव के लोग घरों से टहलने के लिए निकले तो उन्हें बीच सड़क पर तेंदुए का शव दिखाई दिया। जिसे ग्रामीणों ने बीच सड़क से हटाते हुए किनारे कर दिया। इसके बाद सुबह करीब 7:45 पर इसकी सूचना वन विभाग के डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र कुमार सिंह को दी।वन विभाग की टीम के साथ पहुंचे पुष्पेंद्र सिंह ने तेंदुए के शव को कब्जे में ले लिया। डिप्टी वन रेंजर पुष्पेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि, तेंदुए के शव का तीन चिकित्सकों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया है। शव मादा तेंदुए का है, जिसकी उम्र करीब एक वर्ष है।किसी वाहन की चपेट में आने से हुए हादसे में मौत होने की पुष्टि हुई है। तेंदुए को आंतरिक चोटें आईं थी। मृत तेंदुए के शव का अंतिम संस्कार डियर पार्क मुरादाबाद में कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों से अपील की है कि, वह अकेले खेतों में न जाएं। रामगंगा किनारे ड्रोन से तेंदुए की तलाश, 17 गांवों में 22 पिंजरे- मुरादाबाद की ठाकुरद्वारा तहसील के बलिया और आसपास के गांवों में तेंदुए की दहशत के बीच वन विभाग ने निगरानी और रेस्क्यू अभियान और तेज कर दिया है। रामगंगा नदी के किनारे बसे गांवों से लेकर बिजनौर जिले के जंगलों तक तेंदुए की तलाश की जा रही है। संभावित ठिकानों की थर्मल ड्रोन से स्क्रीनिंग कराई जा रही है, जबकि खेतों और जंगल के आसपास ट्रैप कैमरे लगाकर तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। गुरुवार को वन संरक्षक आदर्श कुमार ने ठाकुरद्वारा रेंज में मानव-तेंदुआ संघर्ष को लेकर चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की। उन्होंने बलिया के पास रामगंगा नदी क्षेत्र और बिजनौर के रेनी वन ब्लाक में मुरादाबाद और बिजनौर वन प्रभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ संयुक्त गश्त की। इस दौरान संभावित संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर निगरानी व्यवस्था को परखा गया। वन संरक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तेंदुआ प्रभावित क्षेत्रों में चौबीसों घंटे सतर्कता और निगरानी बनाए रखी जाए। ग्रामीणों से मिलने वाली तेंदुए की हर सूचना पर कार्रवाई की जाए। ठाकुरद्वारा तहसील के मलकपुर सेमली, खाईखेड़ा, फरीदपुर हाजी और शिवनगर समेत कई गांवों में तेंदुए की मौजूदगी की सूचनाएं मिलने के बाद वन विभाग ने उसकी संभावित लोकेशन को ट्रैक किया। चिह्नित स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं। तहसील क्षेत्र के 17 गांवों में 22 पिंजरे लगाए जा चुके हैं। अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों में और अधिक ट्रैप कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। वन संरक्षक ने रेस्क्यू अभियान में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रैप कैमरों, थर्मल ड्रोन और पिंजरों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों को तेंदुए के हमले से बचाने के लिए जागरूकता अभियान बढ़ाने और अधिक से अधिक ग्रामीणों को मुखौटे वितरित करने के निर्देश दिए। मुनादी कर ग्रामीणों को कर रहे जागरूक-वन विभाग की प्रचार टीम बलिया, बल्लभगढ़, बाहरपुर, मुनीमपुर, दौलतपुर, टांडा अफजल, मेसूवाला, गांवड़ी, खैरुल्लापुर, शेरपुर पट्टी, कमालपुर खालसा, फौलादपुर, सुरजननगर, करनपुर, दौलतपुर तिगरी और रायभूड़ समेत संवेदनशील गांवों में पहुंच रही है। वाहनों से मुनादी कराने के साथ पंपलेट बांटे जा रहे हैं और ग्रामीणों के साथ गोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। ग्रामीणों को खेतों और जंगल की ओर अकेले न जाने, समूह में निकलने और तेंदुआ दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने के लिए जागरूक किया जा रहा है। वन विभाग की टीमें संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त कर रही हैं। रामगंगा के खादर से सटे क्षेत्र और बिजनौर के जंगलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है, ताकि तेंदुए की गतिविधि का पता चलते ही रेस्क्यू टीम कार्रवाई कर सके। 11 दिन बाद भी पकड़ में नहीं आया तेंदुआ, खेतों में जाने से कतरा रहे किसान- की दहशत को 11 दिन बीत चुके हैं, लेकिन वन विभाग की टीम अभी तक उसे पकड़ नहीं सकी है। तेंदुए के डर से ग्रामीणों में भय बना हुआ है। सबसे अधिक परेशानी किसानों को हो रही है। गन्ने की फसल की रखवाली जरूरी है, लेकिन रात में खेतों पर जाने से किसान कतरा रहे हैं। गांव के आसपास बड़ी संख्या में गन्ने के खेत हैं। रात में आवारा पशु खेतों में घुसकर फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मुरादाबाद में स्वाइन फ्लू का चौथा केस, 71 साल के बुजुर्ग संक्रमित; दो दिन से सांस लेने में परेशानी

मुरादाबाद में स्वाइन फ्लू का चौथा मामला सामने आया है, जिसमें 71 वर्षीय बुजुर्ग संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को लक्षणों पर ध्यान देने और बुजुर्गों व बीमारों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। जिले में स्वाइन फ्लू का चौथा मामला सामने आया है। सिविल लाइंस के रामगंगा विहार निवासी 71 वर्षीय बुजुर्ग में स्वाइन फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई है। बुजुर्ग को दो दिन पहले बुखार और सांस लेने में परेशानी होने पर भर्ती कराया गया था। लक्षणों को देखते हुए चिकित्सकों ने स्वाइन फ्लू की जांच कराई थी। जांच रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। संक्रमण की पुष्टि के बाद मरीज को आगे के उपचार के लिए शुक्रवार सुबह भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा है। मरीज को पिछले करीब छह साल से हृदय की धड़कन कम होने की समस्या भी है। उम्र अधिक होने और सांस लेने में परेशानी के कारण चिकित्सक उनकी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। मुरादाबाद में इससे पहले तीन लोगों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। इनमें आशियाना निवासी एमबीबीएस चिकित्सक, जिगर कालोनी निवासी महिला और एक अधिवक्ता की पत्नी शामिल हैं। चौथा मामला सामने आने के बाद जिले में स्वाइन फ्लू संक्रमण को लेकर सतर्कता बढ़ गई है।स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, शरीर में दर्द और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण होने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी जा रही है। बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

किराना की दुकान से लेकर कपड़ों के शोरूम तक, रेलवे स्टेशन पर सब मिलेगा

मुरादाबाद। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को अब खानपान और रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खरीदने के लिए स्टेशन से बाहर जाने की जरूरत कम होगी। रेलवे ने स्टेशन परिसर और उसके आसपास खाली पड़ी जगहों को व्यावसायिक इस्तेमाल में लेने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए अलग-अलग सुविधाओं के संचालन को लेकर ई-नीलामी और निविदाएं जारी की गई हैं। इनमें रेस्टोरेंट, सैलून, प्रीमियम ब्रांड स्टोर, किराना दुकान और मोबाइल स्टोर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। रेलवे के दस्तावेजों के अनुसार मुरादाबाद स्टेशन पर सैलून कियोस्क के लिए 17 गुणा 26 वर्गफुट जगह तय की गई है। इसके अलावा मोबाइल स्टोर और अन्य उपयोगी सामान की दुकान के लिए 17 गुणा पांच वर्गफुट का कियोस्क निर्धारित किया गया है। इससे यात्रियों को यात्रा के दौरान मोबाइल से जुड़ी जरूरी वस्तुएं और अन्य उपयोगी सामान स्टेशन पर ही मिल सकेंगे। स्टेशन पर प्रीमियम स्टोर या ब्रांडेड आउटलेट भी खोला जाना प्रस्तावित है। इसके लिए करीब 36.5 गुणा सात वर्गफुट क्षेत्र चिन्हित किया गया है। इसमें खानपान से अलग प्रीमियम और ब्रांडेड सामान बेचने की अनुमति होगी। संचालक को दुकान शुरू करने से पहले बेचे जाने वाले सामान की सूची और दुकान की योजना रेलवे के संबंधित अधिकारी से स्वीकृत करानी होगी।इसके साथ ही बुकिंग हॉल के पास 17 गुणा 10 वर्गफुट क्षेत्र में किराना दुकान विकसित करने की योजना है। यहां यात्रियों को रोजमर्रा की जरूरत का सामान मिल सकेगा। यात्रियों के लिए खानपान की सुविधा बढ़ाने की दिशा में भी काम हो रहा है। रेलवे ने स्टेशन के तीसरे प्रवेश द्वार पर 200 वर्गफुट क्षेत्र में फूड वैन संचालित करने के लिए भी प्रक्रिया शुरू की है। इससे स्टेशन के इस हिस्से में आने-जाने वाले यात्रियों को भोजन और नाश्ते की सुविधा मिल सकेगी। सीनियर डीसीएम महेश यादव का कहना है कि नई सुविधाओं का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यात्रियों को छोटी-छोटी जरूरतों के लिए स्टेशन से बाहर नहीं निकलना पड़ेगा। साथ ही रेलवे की खाली जगहों का बेहतर इस्तेमाल होगा और लाइसेंस के माध्यम से रेलवे की आय भी बढ़ेगी।

किशनपुर गांवड़ी में कुत्ते व गीदड़ का उठा ले गया तेंदुआ, दहशत

ठाकुरद्वारा। किशनपुर गांवड़ी में बुधवार की रात तेंदुआ घुस आया और कुत्ते को उठाकर ले गया। रात करीब साढ़े दस बजे तेंदुआ एक बार फिर गांव में पहुंचा और एक गीदड़ को उठाकर ले गया। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है।गांव के राकेश सिंह ने बताया कि बुधवार को शाम करीब सात बजे तेंदुआ गांव के शनि देव मंदिर के पास आया और कुत्ते को उठाकर ले गया। इसके बाद रात करीब साढ़े दस बजे गांव में पहुंचे गीदड़ का उठाकर ले गया। दूसरी ओर गांव लालापुर पीपलसाना में सड़क किनारे स्थित गन्ना सेंटर के पास बुधवार रात करीब नौ बजे तेंदुआ बैठा दिखाई दिया। गांव शेरपुर पट्टी निवासी गजेंद्र सिंह बाइक से अपने गांव जा रहे थे गन्ना सेंटर पर भीड़ को देखकर रुक गए। जानकारी मिलने पर ग्रामीण डंडे लेकर पहुंचे तो तेंदुआ गन्ने के खेत में चला गया। गांव पाड़ला में भी तेंदुए की गतिविधियों के बाद पिंजरा लगा दिया है। वन विभाग के रेंजर रवि कुमार गंगवार का कहना है कि उनके पास इन घटनाओं की कोई सूचना नहीं आई है।

पेराई सत्र के लिए गन्ना आपूर्ति एवं कैलेंडरिंग नीति जारी

मुरादाबाद। पेराई सत्र 2026-27 के लिए राज्य सरकार ने गन्ना आपूर्ति एवं कैलेंडरिंग नीति जारी कर दी है। रक्षाबंधन के अवसर पर महिला गन्ना किसानों को उनकी 100 प्रतिशत पेड़ी की पर्चियां पक्ष 01 से 02 एवं पौधे की पर्चियां पक्ष 07 से 08 में अंकित कर अधिकतम एक माह के भीतर आपूर्ति की सुविधा दी जाएगी। उप आयुक्त हरपाल सिंह के अनुसार राज्य सरकार ने गन्ना किसानों के हित में बड़े फैसले लिए हैं। नई नीति के तहत गन्ना खेती में यंत्रीकरण को बढ़ावा देने पर ट्रेंच प्लांटिंग या दोहरी पंक्ति विधि अपनाने वाले कृषकों को गन्ना आपूर्ति में विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे कृषकों की शेष 48 प्रतिशत पर्चियां 10वें पक्ष के स्थान पर 8वें पक्ष तक जारी की जाएंगी।पहली बार दिव्यांग लघु गन्ना किसानों (सट्टा धारक 90 कुंतल तक) को 52:48 से मुक्त रखते हुए पेड़ी की पर्ची प्रथम पक्ष में एवं पौधे की पर्ची 7वें पक्ष में अंकित कर लगभग 15 दिन में आपूर्ति कराई जाएगी। केन हार्वेस्टर से गन्ने की कटाई के इच्छुक कृषकों के लिए प्रत्येक गन्ना बाहुल्य जिले में कम से कम एक हार्वेस्टर सेंटर बनाया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

रक्षाबंधन: भीड़ में गायब हुई मुफ्त सफर की खुशी, बरेली में बहनों को घंटों करना पड़ा रोडवेज बसों का इंतजार

परिवहन निगम ने रक्षाबंधन पर बहनों और उनके साथ एक सहयात्री को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी है, लेकिन पहले ही दिन इस सुविधा पर अव्यवस्था हावी रही।

भीड़ के चलते बहनों की खुशी काफूर हो गईं। बहनों को बसों का इंतजार करना पड़ा। बरेली में रक्षाबंधन पर रोडवेज बस अड्डों से लेकर रेलवे स्टेशनों तक यात्रियों की भीड़ उमड़ी। सेटेलाइट और उमड़ा पुराने बस अड्डे पर बस में सवार होने के लिए यात्रियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई।

रोडवेज और ई-बसों में सवार होने के लिए जद्दोजहद करती महिलाओं के चेहरे से मुफ्त सफर की खुशी काफूर हो गई। बहनों को कई रूटों पर बसों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। रक्षाबंधन के मद्देनजर रोडवेज ने बृहस्पतिवार को सुबह छह बजे से महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा की व्यवस्था की है। इस दौरान बसों में सीट पाने के लिए यात्रियों के बीच मारामारी की स्थिति रही। कई महिलाएं चोटिल होने से बचीं। देर रात तक बस अड्डे पर रही भीड़ - महिलाओं ने गोद में लिए बच्चों को बसों की खिड़कियों से सीट पर बैठाने का प्रयास किया। सेटेलाइट बस अड्डे पर यात्री बसों का इंतजार करते नजर आए। पीलीभीत और शाहजहांपुर जाने वाले यात्रियों को काफी इंतजार करना पड़ा। सुबह से लेकर देर रात तक बस अड्डों पर यही स्थिति रही। बस अड्डे में जगह-जगह गंदगी भी नजर आई।परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक मोहम्मद अजीम ने बताया कि अतिरिक्त बसों का संचालन कराया गया है। यात्रियों को परेशानी न हो, इसके लिए टीमें गठित कर अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं।जो भी परेशानियां सामने आईं हैं, उनको दूर किया जाएगा।

ट्रेनों में जनरल से स्लीपर कोच तक फुल- बरेली जंक्शन पर ट्रेनों के जनरल कोचों में पैर रखने तक की जगह नहीं थी। राज्यरानी, त्रिवेणी, इंटरसिटी, आला हजरत, बरेली-प्रयाग, बरेली-वाराणसी और बरेली-दिल्ली पैसेंजर समेत कई ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ रही। जनरल कोच में चढ़ने के लिए धक्का-मुक्की हुई तो कई यात्री स्लीपर कोचों में घुस गए। लंबी दूरी की ट्रेनों में कुछ यात्री गेट पर लटककर जोखिम भरा सफर करते दिखाई दिए। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, रक्षाबंधन पर दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के संचालन के साथ ही अन्य ट्रेनों में भी अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं। इसके बावजूद ट्रेनों में भीड़ नजर आई। वरिष्ठ डीसीएम महेश यादव ने बताया कि रक्षाबंधन पर यात्रियों की सहूलियत के चलते दो जोड़ी रक्षाबंधन स्पेशल ट्रेनें चलाई गई हैं। विभिन्न रूटों की ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी लगाए गए हैं।

11 साल से मुस्लिम भाई को राखी बांध रही हिंदू बहनें, बरेली के शारिक अब्बासी ने लिया हमेशा रक्षा करने का संकल्प

राखी कश्यप और सुमन कश्यप बांधती हैं मुस्लिम भाई को राखी। शारिक अब्बासी पिछले 11 वर्षों से निभा रहे भाई का फर्ज। यह रिश्ता समाज में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल है।भाई-बहन के रिश्ते की डोर मजहब की सीमाओं से कहीं ऊपर होती है। बुखारपुर निवासी राखी कश्यप, सुमन कश्यप, पुत्री राज किशोर कश्यप, और शारिक अब्बासी के बीच पिछले 11 वर्षों से भाई-बहन का रिश्ता कायम है। राखी कश्यप और सुमन कश्यप हर वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर शारिक अब्बासी की कलाई पर राखी बांधती हैं। इस मौके पर शारिक अब्बासी ने राखी कश्यप और सुमन कश्यप से राखी बंधवाकर हमेशा उनकी रक्षा, सम्मान और हर सुख-दुख में साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि बहनों ने जिस विश्वास और स्नेह के साथ उन्हें भाई माना है, उस रिश्ते की जिम्मेदारी निभाना उनका फर्ज है। वह हमेशा अपनी बहनों की रक्षा और सम्मान के लिए उनके साथ खड़े रहेंगे।हिंदू-मुस्लिम एकता की है मिसाल- राखी कश्यप और सुमन कश्यप ने कहा कि पिछले 11 वर्षों से यह रिश्ता पूरी आत्मीयता और विश्वास के साथ कायम है। उनके लिए शारिक अब्बासी केवल राखी बंधवाने वाले भाई नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा हैं।दोनों परिवारों के बीच भी वर्षों से आपसी प्रेम, सम्मान और पारिवारिक मेल-मिलाप बना हुआ है। रक्षाबंधन पर यह रिश्ता समाज में हिंदू-मुस्लिम एकता और भाईचारे की खूबसूरत मिसाल पेश करता है। शारिक अब्बासी ने कहा कि रिश्ते मजहब से नहीं, बल्कि विश्वास और इंसानियत से बनते हैं। राखी का यह पवित्र धागा भाई-बहन के स्नेह के साथ-साथ समाज को आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश भी देता है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

यूपी में फर्जी IAS विप्रा शर्मा पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 30 मुकदमों में लगी चार्जशीट

फर्जी आईएएस विप्रा शर्मा के खिलाफ सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर अधिक चार्जशीट है। फर्जी शर्मा पर 30 चार्जशीट।- दीक्षा पर भी ठगी के 30 से मामलों में दाखिल हो चुकी आईएएस विप्रा से अधिक बहन शिखा और कई मुकदमे दर्ज। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर की थी ठगी।सरकारी नौकरी का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाली फर्जी आईएएस विप्रा शर्मा के विरुद्ध 30 से अधिक मुकदमों में चार्जशीट लग चुकी है। जबकि, उसकी बहन शिखा के विरुद्ध 12 और ममेरी बहन दीक्षा के विरुद्ध तीन मुकदमों में चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की जा चुकी है। अन्य मुकदमों की विवेचना जारी है। जल्द ही उनमें भी पुलिस चार्जशीट लगाएगी। सबसे पहला मुकदमा विप्रा के विरुद्ध 27 अप्रैल को बारादरी थाना क्षेत्र निवासी प्रीति लायल ने लिखाया था। उन्होंने बताया था कि चार साल पहले विप्रा से उनकी मुलाकात हुई थी। उस वक्त विप्रा ने खुद का परिचार आईएएस बताकर कराया था।पिता वीरेंद्र शर्मा और ड्राइवर विनोद के विरुद्ध विवेचना अभी जारी- बाद में उसने नौकरी लगवाने का झांसा दिया। उसके हाव-भाव देखकर प्रीति लायल झांसे में आई और अपने साथ अपने साथियों के भी रूपये दिलवा दिए। जब नौकरी नहीं लगी और न ही उनके रुपये वापस हुए तो उन्होंने 28 अप्रैल को विप्रा शर्मा और दोनों बहनों शिखा और दीक्षा के विरुद्ध प्राथमिकी लिखाई।पुलिस ने तीनों को 29 अप्रैल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद विप्रा, उसकी बहनों और साथियों के विरुद्ध बारादरी, कोतवाली, सुभाषनगर, किला और इज्जतनगर थाने में 43 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। इनमें से 30 मुकदमों में विप्रा शर्मा, 12 में उसकी बहन शिखा शर्मा और तीन में उसकी ममेरी बहन दीक्षा पाठक के विरुद्ध चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी गई है।उसके पिता वीरेंद्र शर्मा और ड्राइवर विनोद के विरुद्ध विवेचना अभी जारी है। पुलिस का कहना हैं कि अन्य मुकदमों में भी जल्द ही चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की जाएगी। सरकारी नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाली विप्रा शर्मा के विरुद्ध 30 मुकदमों में चार्जशीट लगाई जा चुकी है। अन्य मुकदमों में भी जल्द ही चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की जाएगी।- शिवम आशुतोष, एएसपी

भारत-नेपाल सीमा पर एक तस्कर गिरफ्तार, एक करोड़ की स्मैक बरामद; पुलिस-एसएसबी ने की संयुक्त कार्रवाई

बहराइच में भारत-नेपाल सीमा पर एक तस्कर गिरफ्तार किया गया है। इसके कब्जे से एक करोड़ की स्मैक बरामद हुई है। पुलिस-एसएसबी ने संयुक्त कार्रवाई में इसे पकड़ा है। टीम अब तस्करी नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है।यूपी में बहराइच के रुपईडीहा क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार रात चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया। इसके कब्जे से 155 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। आरोपी के पास से एक मोबाइल और मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। पुलिस अब स्मैक के स्रोत और तस्करी से जुड़े नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। प्रभारी निरीक्षक रुपईडीहा हरेंद्र कुमार मिश्र के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात करीब 8:55 बजे पुलिस और 42वीं वाहिनी एसएसबी की संयुक्त टीम भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सीमा स्तंभ संख्या 651/11 से करीब एक किलोमीटर पूर्व रामगांव थाना क्षेत्र के सुभानपुर पुरवा टेपरहा निवासी जावेद खां संदिग्ध हालत में दिखाई दियाटीम ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 155 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। इसके अलावा एक ओप्पो मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी मिली। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की।एनडीपीएस एक्ट में दर्ज हुई रिपोर्ट-पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रुपईडीहा थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया। पुलिस बरामद स्मैक कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था, इसकी जानकारी जुटा रही है। साथ ही तस्करी में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

होटल में कत्ल!: सिर में कैसे लगी चोट? प्रेमी खामोश, बार-बार बदल रहा बयान; अंदरूनी अंग से हुआ अत्यधिक रक्तस्राव

फिरोजाबाद में होटल में एक युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। पुलिस ने प्रेमी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। प्रेमी बार-बार बयान बदल रहा है। गुस्साए ग्रामीणों ने चार घंटे तक जाम लगाकर रखा। युवती रक्षाबंधन पर गुरुग्राम से घर लौट रही थी। हत्या और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद में रक्षाबंधन पर गुरुग्राम से घर लौट रही अनुसूचित जाति की 21 वर्षीय युवती की शिकोहाबाद स्थित एक होटल में प्रेमी के साथ ठहरने के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम में सिर में चोट लगने से कोमा में जाने के साथ अंदरूनी अंग से अत्यधिक रक्तस्राव की बात सामने आई है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने प्रेमी राहुल यादव और उसके एक साथी के खिलाफ हत्या और एससी-एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। परिजन ने दुष्कर्म का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने राहुल को हिरासत में लिया है जबकि उसका साथी फरार है। गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने सड़क पर शव रखकर चार घंटे तक प्रदर्शन किया। देर शाम युवती का अंतिम संस्कार कर दिया गया।नसीरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती पिछले तीन माह से गुरुग्राम में एक कंपनी में नौकरी कर रही थी। रक्षाबंधन पर घर आने के लिए वह बुधवार दोपहर करीब 12 बजे बस से गुरुग्राम से निकली थी। रात करीब आठ बजे शिकोहाबाद पहुंचने पर उसने पिता को फोन कर तबीयत खराब होने की बात कही। उसने बताया कि वह शिकोहाबाद की अपनी सहेली के घर रुक रही है और सुबह घर आ जाएगी। उसने पिता को अपने साथ राहुल उर्फ नितिन यादव निवासी विजेंद्र कॉलोनी के होने की भी जानकारी दी थी। पुलिस के अनुसार, युवती सहेली के घर पहुंची और अपना बैग वहां रख दिया। इसके बाद वह राहुल के साथ चली गई। दोनों मईयामई इलाके में एक होटल में ठहर गए। देर रात करीब तीन बजे युवती की हालत बिगड़ गई। राहुल ने सलेमपुर निवासी अपने एक दोस्त को बुलाया और दोनों युवती को बाइक पर बैठाकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया।शिकोहाबाद मंडी के पास हाईवे किनारे स्थित अस्पताल में उस समय डायल-112 की टीम मौजूद थी। पुलिसकर्मियों ने दोनों युवकों के साथ अचेत युवती को देखा तो अस्पताल पहुंचे। तब तक चिकित्सकों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद दोनों युवक वहां से निकलने लगे। पुलिस ने राहुल को हिरासत में ले लिया जबकि उसका साथी भाग निकला। पुलिस ने युवती के परिजन को घटना की सूचना देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिता ने शव की पहचान करने के बाद राहुल और उसके साथी के खिलाफ तहरीर दी।

युवती के सिर में कैसे लगी चोट?- मईयामई गांव के बाहर स्थित एक होटल के बंद कमरे में 21 वर्षीय युवती के साथ आखिर क्या हुआ यह रहस्य पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवती की मौत का मुख्य कारण सिर में गंभीर चोट लगाया है। इसके अलावा अंदरूनी अंग से रक्तस्राव सामने आने के बाद कई गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हिरासत में लिया गया मृतका का प्रेमी राहुल यादव पुलिस के सामने बार-बार अपने बयान बदलकर जांच को भटकाने की कोशिश कर रहा है। आरोपी राहुल यादव से जब बंद कमरे में युवती के सिर पर लगी गहरी चोट के बारे में सख्ती से पूछताछ की गई तो वह लगातार मनगढ़ंत कहानियां गढ़ रहा है। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने दावा किया कि युवती अचानक संतुलन बिगड़ने से गिर गई थी, जिससे उसके सिर में चोट लग गई। हालांकि, जब पुलिस ने चोट की गहराई और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट को सामने रखा तो उसने अपना बयान बदलते हुए कहा कि युवती की तबीयत अचानक बिगड़ी और उसका सिर दीवार में लग गया था।

शव रखकर गिरफ्तारी की मांग- बृहस्पतिवार शाम करीब 4:30 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए।

अलग-अलग घटनाओं में नवजात समेत तीन लोगों की मौत, रक्षाबंधन की खुशियां मातम में बदलीं

अंबेडकरनगर में तीन अलग-अलग घटनाओं में नवजात समेत तीन लोगों की मौत हो गई। इससे राखी का पर्व मातम में बदल गया। घरों में चीख पुकार मची रही। लोग परेशान परिजनों को ढांढस बंधाते रहे।यूपी के अंबेडकरनगर में शुक्रवार सुबह करंट लगने से युवक की मौत हो गई। घटना कटका थाना क्षेत्र के अहिरौली गोविंद साहब गांव की है। गांव निवासी राजेश मौर्य के छोटे भाई दिनेश चंद्र (36) की मौत हुई है। आज सुबह करीब 7:30 बजे वह घर में लगी एल्बेस्टर की पाइप में उतरे करंट की चपेट में आ गए। परिजन आनन-फानन उन्हें आजमगढ़ जिले के अतरौलिया स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन, वहां चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी नहीं मिले। इसके बाद परिजन उन्हें एक निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राखी बांधने आ रही थीं मौसी की बेटियां- परिजनों के मुताबिक रक्षाबंधन के अवसर पर मौसी की बेटियां हर वर्ष अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने घर आती हैं। इस बार भी वह राखी बांधने की तैयारी के साथ घर आ रही थीं। उन्हें क्या पता था कि इस बार भाई की कलाई पर राखी बांधने के बजाय उन्हें उसकी अर्थी देखनी पड़ेगी। हादसे की खबर मिलते ही घर में रक्षाबंधन की खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं।दो बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

दिनेश तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाई राजेश और सुरेश हैं। दिनेश घर पर रहकर खेती-किसानी करते थे। पत्नी आरती मौर्य ने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी आयुषी 10 वर्ष और छोटी बेटी अन्वी छह वर्ष की है। पिता की अचानक मौत से दोनों मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है। कटका थाना प्रभारी अक्षय कुमार पटेल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।जन्म के बाद नवजात की मौत- दूसरी घटना नवजात की मौत की है। अहिरौली थाना क्षेत्र के गोपालपुर चौराहा निवासी सोनू ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया। इसमें बताया कि गर्भावस्था के दौरान कराए गए इलाज और अल्ट्रासाउंड में डॉक्टर ने गर्भस्थ शिशु में किसी तरह की कमी होने की जानकारी नहीं दी। प्रसव के बाद नवजात के शरीर में गंभीर विकृतियां सामने आईं। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सोनू के मुताबिक, उनकी पत्नी संगम दूसरी बार गर्भवती हुई थीं।

गर्भावस्था की शुरुआत से ही बसखारी मार्ग स्थित ओम हॉस्पिटल में डॉ. अंजलि पांडे से इलाज कराया जा रहा था। करीब 09 माह की गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउंड भी कराया गया, लेकिन चिकित्सक की ओर से बच्चे में किसी तरह की कमी होने की जानकारी परिजनों को नहीं दी गई।

डॉक्टर ने ऑपरेशन कराने की सलाह दी- प्रसव का समय नजदीक आने पर पिछले सप्ताह डॉक्टर ने ऑपरेशन कराने की सलाह दी, लेकिन परिजन इसके लिए सहमत नहीं हुए। इसके बाद बीते रविवार को संगम को शिवबाबा स्थित किरण हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां सामान्य प्रसव हुआ। जन्म के बाद नवजात के शरीर में कई गंभीर कमियां दिखाई दीं। परिजनों के अनुसार, बच्चे की आंत बाहर निकली हुई थी और मल-मूत्र त्यागने का रास्ता भी बंद था। शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने घर पहुंचकर बच्चे की जांच की। इसके बाद उसे बृहस्पतिवार शाम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुक्रवार सुबह नवजात ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।तेज रफ्तार कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत- तीसरी घटना हादसे की है। हादसा अकबरपुर थाना क्षेत्र में अकबरपुर-सुल्तानपुर मार्ग पर कसेरुआ लंगड़पुरा के पास हुआ। इसमें रामनगर निवासी लक्ष्मी राम (52) की मौत हुई है। आज सुबह साइकिल से कसेरुआ की ओर जा रहे थे। रास्ते में हादसा हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कार चालक के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

हरियाणावी गायक का कत्ल: पैर में चोट लगने पर कबड्डी छोड़ी, बने गायक, इस गाने से मिली शोहरत; अंकित पर था एक केस

बदमाशी और गैंगवार से जुड़े गीतों के जरिए युवाओं के बीच पहचान बनाने वाले हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब के गायक-कलाकार अब गैंगस्टरों के निशाने पर होने की आशंका जताई जा रही है। हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के बाद पुलिस इस पहलू को भी जांच के केंद्र में रखकर पड़ताल कर रही है।शामली में अंकित हत्याकांड की जांच में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों पर फोकस बढ़ा दिया है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के 50 से अधिक मोबाइल नंबर और इंस्टाग्राम अकाउंट पुलिस के रडार हैं। पुलिस के अनुसार इनमें वे लोग शामिल हैं, जिनसे अंकित ने घटना से पहले करीब एक सप्ताह के दौरान फोन या सोशल मीडिया के जरिए बातचीत की थी।

पुलिस कॉल डिटेल रिकॉर्ड और सोशल मीडिया गतिविधियों के जरिए यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अंकित लगातार किन लोगों के संपर्क में था। खास तौर पर पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना से चंद मिनट पहले अंकित की किस युवक से फोन पर बातचीत या कहासुनी हुई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार शामली के साथ मुजफ्फरनगर, मेरठ, हरियाणा के सोनीपत और रोहतक तथा दिल्ली के खजूरी खास समेत अन्य स्थानों के लोगों की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है।महिला कलाकार की भूमिका भी जांच के घेरे में पुलिस के अनुसार हत्याकांड की जांच में एक महिला कलाकार की भूमिका को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि महिला की भूमिका संदिग्ध हो सकती है। पुलिस कॉल डिटेल, सोशल मीडिया संपर्क और अन्य साक्ष्यों के आधार पर इसकी जांच कर रही है। एसपी एनपी सिंह का कहना है कि हर पहलू की जांच के बाद ही हत्या की वास्तविक वजह और आरोपियों की भूमिका स्पष्ट होगी। कुछ सुराग हाथ लगे हैं, जल्द होगा खुलासा- पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हत्याकांड की जांच तेजी से चल रही है। पुलिस के हाथ कुछ महत्वपूर्ण सुराग लगे हैं और विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।रोहतक में एक गायक से हुआ था अंकित का विवाद- करीब छह माह पहले रोहतक में किसी गायक के साथ अंकित का विवाद हुआ था। बताया गया है कि विवाद के बाद अंकित लगातार शामली के बनती खेड़ा में रहने लगा था,

हालांकि अपने कार्यालय पर आता-जाता रहता था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रोहतक में हुआ विवाद कितना गंभीर था और क्या उसका कोई संबंध अंकित की हत्या से हो सकता है। अंकित की हत्या के तरीके और उससे पहले हुए विवाद ने जांच का दायरा बढ़ा दिया है। पुलिस यह भी खंगाल रही है कि विवाद के बाद अंकित के संपर्क में कौन-कौन लोग रहे और क्या किसी ने उससे पुरानी रंजिश का बदला लेने की धमकी दी थी। पैर में चोट लगने पर कबड्डी छोड़ी, बन गए गायक- अंकित बालियान मूल रूप से शामली के बनतीखेड़ा गांव के रहने वाले थे। वह हरियाणा के सोनीपत और रोहतक में रहकर म्यूजिक इंडस्ट्री में सक्रिय हुए। गायकी की दुनिया में आने से पहले अंकित कबड्डी खेलते थे, लेकिन पैर में चोट लगने के बाद उन्होंने खेल छोड़ दिया और संगीत की ओर कदम बढ़ाया। हरियाणवी गीत भाई कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जान ने उन्हें पहचान दिलाई। इसके अलावा गैंगर, बच्चे बदमाश, उत कसूत और पीटीआई जैसे गीतों से भी वह चर्चा में रहे। बुधवार को भी वायरल हुए थे दो वीडियो- अंकित बालियान के दो अन्य वीडियो भी बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। अब एक और वीडियो सामने आने से हत्याकांड की जांच को लेकर नए सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस सोशल मीडिया पर सामने आ रहे इन सभी वीडियो की पड़ताल कर यह पता लगाने में जुटी है कि इनमें कही गई बातों का अंकित की हत्या से कोई संबंध है या नहीं।

रंगदारी मांगने, गौगी गैंग के जुड़ने और अंकित के गायकी और राजनीति में प्रवेश करने वाले सभी तथ्यों की पुलिस जांच कर रही है। बदमाशी के गीतों से मिली शोहरत- गैंगस्टर के निशाने पर हरियाणवी गायक- बदमाशी और गैंगवार से जुड़े गीतों के जरिए युवाओं के बीच पहचान बनाने वाले हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब के गायक-कलाकार अब गैंगस्टरों के निशाने पर होने की आशंका जताई जा रही है। हरियाणवी गायक अंकित बालियान की हत्या के बाद पुलिस इस पहलू को भी जांच के केंद्र में रखकर पड़ताल कर रही है।पुलिस सूत्रों के अनुसार अंकित हत्याकांड की जांच में लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ से जुड़े संभावित एंगल को भी खंगाला जा रहा है। शामली पुलिस ने सोनीपत, रोहतक समेत हरियाणा के अन्य स्थानों की पुलिस से भी सहयोग मांगा है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अंकित का किसी गैंग या उसके विरोधी गिरोह से संपर्क था या नहीं और उसके किसी गीत को लेकर किसी गिरोह में नाराजगी तो नहीं थी।रोड शो को लेकर भी दर्ज हुआ था मुकदमा - वर्ष 2023 में शामली में रोड शो के दौरान भी अंकित विवादों में आए थे। बिना अनुमति रोड शो करने के आरोप में उनके समेत करीब 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। वर्तमान में अंकित बनतीखेड़ा गांव में रहकर जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे।

इसके लिए उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर चुनाव से संबंधित पोस्टर और प्रचार सामग्री भी लगाई थी। अंकित की हत्या के बाद अब पुलिस उनकी निजी जिंदगी, संगीत जगत से जुड़े विवाद, सोशल मीडिया गतिविधियों और संभावित गैंग कनेक्शन समेत हर पहलू को जोड़कर जांच आगे बढ़ा रही है।सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने खड़े किए थे सवाल- पुलिस के अनुसार पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को पंजाब के मानसा जिले के जवाहरके गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या की जिम्मेदारी कनाडा में रह रहे गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की ओर से ली गई थी, जबकि मामले में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का नाम भी सामने आया था। अब अंकित बालियान की हत्या में गोगी गैंग से जुड़े व्यक्ति की ओर से सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने के दावे के बाद पुलिस दोनों मामलों के बीच संभावित समानताओं और गैंग कनेक्शन की भी पड़ताल कर रही है। पुलिस का मानना है कि गैंगवार और बदमाशी से जुड़े गीतों के कारण हरियाणा, पश्चिमी यूपी, दिल्ली और पंजाब के कुछ कलाकार अपराधी गिरोहों की नजर में आ सकते हैं।गोगी की हत्या के बाद गाया था गाना

पुलिस के अनुसार गोगी गैंग के सरगना जितेंद्र मान उर्फ गोगी की 24 सितंबर 2021 को दिल्ली के रोहिणी कोर्ट परिसर में पेशी के दौरान हत्या कर दी गई थी। वकील के वेश में पहुंचे हमलावरों ने गोगी पर गोलियां बरसा दी थीं। जवाबी कार्रवाई में दोनों हमलावर भी मारे गए थे। गोगी की हत्या के बाद अंकित बालियान ने भाई कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जान नाम से गाना गाया था। यह गाना सोशल मीडिया पर काफी चर्चित हुआ था। अब वायरल पोस्ट में इसी गाने और गोगी की हत्या से जुड़ी रंजिश को अंकित की हत्या की वजह बताया गया है।गोगी गैंग ने अपराध की दुनिया में बनाई थी दहशत- गोगी गैंग की शुरुआत दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर जितेंद्र मान उर्फ गोगी से हुई थी। पुलिस के मुताबिक यह गिरोह दिल्ली, हरियाणा और एनसीआर के कई इलाकों में सक्रिय रहा है। हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और हथियारों से जुड़े मामलों में गिरोह के सदस्यों के नाम सामने आते रहे हैं।टिल्लू गैंग से पुरानी और खूनी दुश्मनी- गोगी गैंग की सबसे बड़ी दुश्मनी दिल्ली के कुख्यात टिल्लू गैंग से रही है। दोनों गिरोहों के बीच रंजिश की जड़ें करीब 2010 के आसपास दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव से जुड़ी बताई जाती हैं। इस गैंगवार की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक 2021 में रोहिणी कोर्ट में जितेंद्र मान उर्फ गोगी की हत्या रही। इसके बाद भी दोनों गिरोहों से जुड़े सदस्यों के बीच टकराव और बदले की घटनाओं की खबरें सामने आती रही हैं। इसी पुरानी गैंगवार के एंगल को पुलिस अंकित हत्याकांड की जांच में खंगाल रही है।शामली से हरियाणा तक पुलिस की दबिश- पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि गिरोह से जुड़े संदिग्धों की तलाश में पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। शामली के अलावा बागपत, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और मेरठ में भी पुलिस की टीमें पहुंची हैं। वहीं हरियाणा के सोनीपत, पानीपत और रोहतक में भी संदिग्धों की तलाश में दबिश दी जा रही है। एसपी ने कहा कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट और वीडियो की भी तकनीकी जांच कराई जा रही है।दो पीढ़ी पहले मुकुंदपुर से बनतीखेड़ा आया था परिवार- अंकित बालियान का परिवार मूल रूप से थाना तितावी क्षेत्र के गांव मुकुंदपुर का रहने वाला है। परिजनों के अनुसार करीब दो पीढ़ी पहले अंकित के दादा अपनी मां के यहां बनतीखेड़ा आकर रहने लगे थे। इसके बाद परिवार यहीं बस गया। अंकित के पिता सत्यवीर सिंह रिटायर्ड फौजी हैं। परिवार में सत्यवीर के दो भाई उत्तर प्रदेश पुलिस में उपनिरीक्षक पद पर तैनात हैं। परिवार के सदस्य पुलिस सेवा से जुड़े होने के कारण गांव में भी अंकित के परिवार की अलग पहचान रही है।

कानपुर में जमीन धंसने से गड्ढे में समाई युवती, सात घंटे बाद रेस्क्यू; अस्पताल में मौत

जमीन धंसने से गड्ढे में समाई युवती को करीब सात घंटे के लंबे रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शुक्रवार दोपहर 2:24 बजे बाहर निकाल लिया गया। बाहर निकालने के बाद उसे तत्काल सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद युवती को मृत घोषित कर दिया।सुबह से चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, पीएसी और राजस्व विभाग की टीमें जुटी थीं। जेसीबी और अन्य उपकरणों की मदद से लगातार खुदाई कर युवती तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा था। करीब सात घंटे की मशक्कत के बाद टीम ने उसे बाहर निकाल लिया। दोपहर 2:24 बजे रेस्क्यू टीम ने युवती को गड्ढे से बाहर निकाल लिया, लेकिन उसकी हालत गंभीर थी। तत्काल उसे सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। युवती के गड्ढे में फंसने की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू कराया। युवती तक पहुंचने के लिए लगातार मिट्टी हटाने और खुदाई का काम किया गया।रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों के साथ पुलिस, फायर ब्रिगेड और अन्य राहत दल जुटे रहे। गड्ढे के आसपास की मिट्टी लगातार खिसकने की आशंका के बीच टीमों ने सावधानी से खुदाई कर युवती तक पहुंचने का प्रयास किया। जेसीबी और अन्य उपकरणों की मदद से मिट्टी हटाई जाती रही।करीब सात घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 2:24 बजे टीम युवती तक पहुंच सकी और उसे बाहर निकाला गया। इसके बाद बिना देरी किए उसे एंबुलेंस से सरसौल सीएचसी भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती के रेस्क्यू के बाद मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों को उसके सुरक्षित बचने की उम्मीद थी, लेकिन अस्पताल में मौत की पुष्टि होने के बाद वहां मातम छा गया। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीमों ने मौके की स्थिति का जायजा लिया। हादसे के कारणों और जमीन धंसने की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर पति पर गंभीर आरोप: दहेज के लिए नमाज पढ़ने से रोका, तलाक की दी धमकी; शादी में खर्च हुए थे 25 लाख

अलीगढ़ की एक महिला ने डॉक्टर पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि डॉक्टर पति ने दहेज के लिए नमाज पढ़ने से रोक दिया गया है। साथ ही तलाक की धमकी दी गई। शादी में 25 लाख खर्च हुए थे।अलीगढ़ के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी की बेटी ने अपने डॉक्टर पति पर नमाज पढ़ने से रोकने और फोन पर तीन तलाक देने की धमकी का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का आरोप है कि उनका निकाह 28 नवंबर 2024 को सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ. मोहम्मद अहमद के साथ हुआ था। शादी में पिता ने करीब 25 लाख रुपये खर्च किए थे। ससुराल वाले अतिरिक्त पांच लाख रुपये के लिए दबाव बना रहे हैं। पीड़िता का आरोप है कि निकाह के बाद पति का व्यवहार पूरी तरह बदल गया। वह शराब और सिगरेट पीने का आदी है और विरोध करने पर मारपीट करता थापति और उसकी ननदें अक्सर उसकी लंबाई और रंग-रूप को लेकर ताने मारते थे तथा उसे गंवार और पिछड़ी बताकर जलील करते थे। शादी के महज दो महीने बाद ही विरोध करने पर पति ने उसे सरेराह थप्पड़ तक जड़ दिया था। आरोप है कि पति ने डॉक्टरी की पढ़ाई का लोन चुकाने का झांसा देकर पीड़िता की पूरी ज्वेलरी अपने कब्जे में ले ली। उसके पिता पर दबाव डलवाकर उनकी गारंटी पर दो लाख रुपये का बैंक लोन भी ले लिया, जिसे बाद में चुकाने से साफ इनकार कर दिया। तबीयत खराब होने पर उसे डॉक्टर के पास ले जाने के बजाय घर में ही तड़पने के लिए छोड़ दिया जाता था। 16 जनवरी को ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया।पुलिस ने पति व अन्य ससुराल वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीओ सर्वम सिंह के मुताबिक मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।मुस्कान हत्याकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। चैट से मुस्कान की हत्या के कारणों का खुलासा हुआ है। आरोपी प्रेमी ड्रग एडिक्ट है। उसके ऊपर आपराधिक मामला दर्ज है। पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

कानपुर देहात हादसा: दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत, मासूम समेत तीन की मौत, दो गंभीर घायल, मेडिकल कॉलेज रेफर

सिकंदरा थाना क्षेत्र के इटखुदा गांव के पास मुगल रोड पर शुक्रवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण हादसे में मासूम समेत तीन की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचना दे दी है।कानपुर देहात में सिकंदरा थाना क्षेत्र के इटखुदा गांव के सामने मुगल सड़क पर शुक्रवार दोपहर एक बजे दो बाइकों की आमने-सामने भिड़त हो गई। एक बाइक में सवार औरैया कोतवाली के रोहिनी जौरा गांव निवासी गणेश (35) व उसकी बेटी पल्लवी (6) के अलावा दूसरी बाइक में सवार फफूंद के खानपुर निवासी शिवम (32) की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, गणेश की पत्नी गायत्री (30) व बेटा अक्षय प्रताप (7) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची राजपुर पुलिस ने घायल मां बेटे को राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक डॉ. प्रियांक तिवारी ने गंभीर हालत में दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हुई कि दोनों वाहनों के परछक्के उड़ गए। तहरीर मिलने पर दर्ज होगी प्राथमिकी- राजपुर थानाध्यक्ष सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई है। मृतक शिवम नायक चचेरे भाई विशाल की ससुराल राजपुर के बदनपुर गांव निवासी राजेंद्र नायक के घर रिश्तेदारी से वापस बुलट बाइक से फफूंद लौट रहा था। हादसे का कारण तेज गति बताई जा रही है। मामले में तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

चौबेपुर में नून नदी में नहाने गईं चार लड़कियां डूबीं, तीन को बचाया; 11 वर्षीय वर्षा की तलाश जारी

चौबेपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुर गांव के पास नून नदी में बकरी चराने के दौरान नहाने गईं चार लड़कियां डूब गईं।नदी में बच्चियों को डूबता देख आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल बचाव शुरू किया और तीन लड़कियों को बाहर निकाल लिया। वहीं, 11 वर्षीय वर्षा का अभी पता नहीं चल सका है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में अफरातफरी मच गई। परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ नदी किनारे जुट गई। लोगों ने अपने स्तर से बच्ची की तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। सूचना पर चौबेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लापता बच्ची की तलाश के लिए गोताखोरों को बुलाया गया। गोताखोर नदी में उतरकर वर्षा की तलाश कर रहे हैं। पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद है और रेस्क्यू अभियान की निगरानी कर रही है। बताया गया कि लड़कियां बकरी चराने के लिए नदी किनारे गई थीं। इसी दौरान सभी नहाने के लिए नदी में उतर गईं। पानी की गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण वे अचानक गहरे हिस्से में चली गईं और डूबने लगीं।तीन लड़कियों के बाहर निकलने के बाद उन्हें ग्रामीणों ने संभाला।

रक्षाबंधन पर मुंह बोली बहनों ने वाजिद हुसैन अंसारी को बांधी राखी, दीर्घायु की कामना

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का पर्व है। इसी पवित्र रिश्ते की मिसाल बिलारी में देखने को मिली, जहां पूर्व सदस्य कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार एवं अधिवक्ता वाजिद हुसैन अंसारी को उनकी मुंह बोली बहनों ने रक्षाबंधन के अवसर पर राखी बांधी। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को कायम रखते हुए बहनों ने वाजिद हुसैन अंसारी की कलाई पर राखी बांधकर उनकी दीर्घायु, सुख-समृद्धि और स्वस्थ जीवन की ईश्वर से कामना की। इस अवसर पर वाजिद हुसैन अंसारी ने सभी बहनों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए उपहार भेंट किए। उन्होंने अपनी मुंह बोली बहनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से वह उन्हें राखी बांधकर भाई-बहन के इस पवित्र रिश्ते को पूरी आत्मीयता के साथ निभाती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि भाई-बहन का रिश्ता केवल खून का रिश्ता नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और अपनत्व से भी मजबूत होता है और ऐसे पवित्र रिश्तों को सदैव सम्मान के साथ कायम रखना चाहिए।

महिला पुलिसकर्मियों से राखी बंधवाकर कोतवाली प्रभारी ने निभाया भाई का फर्ज

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बिलारी कोतवाली में भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व की अनूठी मिसाल देखने को मिली। कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप ने थाने में तैनात महिला पुलिसकर्मियों से राखी बंधवाकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को मजबूती दी और भाई का फर्ज निभाया। महिला पुलिसकर्मियों ने कोतवाली प्रभारी की कलाई पर राखी बांधी और एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कोतवाली परिसर में खुशी और आत्मीयता का माहौल नजर आया। महिला पुलिसकर्मियों के बीच भी पर्व को लेकर विशेष उत्साह और खुशी देखने को मिली। कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप ने महिला पुलिसकर्मियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सम्मान और सुरक्षा के प्रति सदैव तत्पर रहने की भावना व्यक्त की।

रक्षाबंधन पर बहनों से राखी बंधवाकर डॉ. जितेंद्र अग्रवाल ने जताया स्नेह, खुशहाली की कामना

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । रक्षाबंधन के पावन पर्व पर अधिवक्ता डॉ. जितेंद्र अग्रवाल ने अपनी प्यारी बहनों से राखी बंधवाकर उनके स्नेह, प्रेम और आशीर्वाद को प्राप्त किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाई-बहन का रिश्ता प्रेम, विश्वास और अपनत्व की ऐसी पवित्र डोर है,

जो जीवनभर एक-दूसरे को जोड़े रखती है। उन्होंने अपनी सभी बहनों की खुशहाली, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का यह पवित्र बंधन सदैव प्रेम, विश्वास और स्नेह से मजबूत होता रहे। इस अवसर पर उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

ब्रह्माकुमारी बहनों से राखी बंधवाकर वारिस पाशा ने निभाया भाई का फर्ज

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । रक्षाबंधन के पावन पर्व पर वारिस पाशा ने ब्रह्माकुमारी बहनों से राखी बंधवाकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को सम्मान और मजबूती प्रदान की। ब्रह्माकुमारी बहनों ने उन्हें राखी बांधकर सुख, शांति और दीर्घायु की कामना की।

इस अवसर पर वारिस पाशा ने सभी बहनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्नेह और आशीर्वाद के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाई-बहन का रिश्ता प्रेम, विश्वास, सम्मान और आत्मीयता पर आधारित होता है, जो जीवनभर इस पवित्र बंधन को मजबूत बनाए रखता है। कार्यक्रम के दौरान सौहार्द और भाईचारे का भाव देखने को मिला।

रक्षाबंधन पर विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने बहनों से बंधवाई राखी

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बिलारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने बहनों के साथ रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया। इस अवसर पर बहनों ने विधायक की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख, समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। विधायक मोहम्मद फहीम इरफान ने बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। यह पर्व समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने बहनों के स्नेह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सम्मान और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही। इस दौरान परिवार की महिलाओं एवं बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक रक्षाबंधन पर्व मनाया।

नगर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच ी। नगर बिलारी में भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले संजय सक्सेना ने भी रक्षाबंधन पर्व पर बहनों से राखी बंधवाकर पर्व की खुशियां साझा कीं।

संजय सक्सेना सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ धार्मिक आयोजनों में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी करते हैं और नगर के विभिन्न मंचों पर कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन करने के लिए भी जाने जाते हैं। योगशाला में भी उनकी सक्रिय भूमिका रहती है।

रक्षाबंधन के अवसर पर उन्होंने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की महत्ता बताते हुए कहा कि यह पर्व प्रेम, विश्वास और पारिवारिक रिश्तों को और मजबूत करने का संदेश देता है।

उन्होंने सभी नगरवासियों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

किडनी देकर बचाई भाई की जान, हो चुकी थी 40 डायलिसिस; मुकेश शर्मा को मौत के मुंह से खींच लाई बहन सुशीला

दोघट निवासी शिक्षक मुकेश शर्मा की दोनों किडनी खराब हो गईं। 40 से अधिक बार डायलिसिस होने के बाद हालत बेहद खराब हो गई। पत्नी का ब्लड ग्रुप नहीं मिल सका, तो बहन सुशीला ने अपनी किडनी देकर भाई की जान बचाई।रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना के साथ उनकी कलाई पर राखी बांधती हैं लेकिन दोघट की सुशीला ने भाई मुकेश शर्मा की जिंदगी बचाने के लिए अपनी एक किडनी दे दी। आठ साल पहले सिरदर्द और ब्लड प्रेशर बढ़ने की समस्या के बाद मुकेश की दोनों किडनियां खराब हो गई थीं। करीब एक साल तक डायलिसिस के बाद जब किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ी तो पत्नी की किडनी उपयुक्त नहीं मिली, ऐसे में बहन ने आगे बढ़कर भाई के लिए किडनी दी।

दोघट निवासी मुकेश शर्मा सरधना ब्लॉक के एक पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक हैं।

उनकी शादी वर्ष 2004 में मोनिका से हुई थी। उनके दो बच्चे पार्थ और दिव्यांशु हैं। उनको वर्ष 2011 से लगातार सिरदर्द और ब्लड प्रेशर बढ़ने की शिकायत रहने लगी। निजी चिकित्सक से उपचार के बाद भी उनकी हालत बिगड़ती गई। धीरे-धीरे दोनों किडनियां खराब

हो गईं। इसके बाद उन्हें नियमित डायलिसिस करानी पड़ी। बीमारी के गंभीर दौर में करीब एक साल तक उनकी डायलिसिस हुई। 40 से अधिक बार डायलिसिस होने के कारण उनकी शारीरिक स्थिति कमजोर होती गई।चिकित्सकों ने किडनी ट्रांसप्लांट ही स्थायी उपचार बताया। परिवार ने पहले पत्नी मोनिका की किडनी ट्रांसप्लांट कराने के लिए जांच कराई लेकिन उनका ब्लड ग्रुप मिलान नहीं हुआ और वह मुकेश के लिए उपयुक्त नहीं पाई गई। भाई की बिगड़ती हालत देखकर बड़ी बहन सुशीला ने किडनी देने का निर्णय लिया। जरूरी चिकित्सकीय जांच में उनकी किडनी मुकेश के लिए उपयुक्त पाई गई। इसके बाद वर्ष 2018 में मुकेश की किडनी ट्रांसप्लांट की गई। बहन की किडनी मिलने के बाद उनकी जिंदगी फिर पटरी पर लौटने लगी और परिवार को भी बड़ी राहत मिली।मुकेश शर्मा कहते हैं कि माता-पिता के बाद भाई-बहन का ऐसा रिश्ता है, जो मुश्किल समय में सबसे मजबूत रहता है। सुशीला ने मेरे लिए जो किया, उसका अहसान जीवनभर नहीं भूल सकता। वहीं सुशीला कहती हैं कि भाई जैसा संसार में कोई दूसरा रिश्ता नहीं है। माता-पिता के बाद दुख की घड़ी में भाई-बहन को एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। भाई की जिंदगी बचाने का अवसर मिला तो इससे बड़ा सौभाग्य मेरे लिए कुछ नहीं हो सकता। परिवार के लिए रक्षाबंधन अब सिर्फ राखी बांधने का पर्व नहीं बल्कि उस रिश्ते के त्याग और समर्पण को याद करने का अवसर है, जिसने मुश्किल समय में भाई को जीवन की नई उम्मीद दी।

संक्षिप्त समाचार

दोस्त बना दलाल: पहले कोल्डड्रिंक पिलाकर बनाया शिकार, फिर मित्र संग सोने का बनाने लगा दबाव; एक दर्द और दिया

महिला ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनके पति का दोस्त गांव असौड़ा निवासी शरीफ मेरठ रोड स्थित मोहल्ला आवास विकास में सब्जी की दुकान करता है। पति का दोस्त होने के कारण उसका उनके घर भी आना जाना था। 20 जनवरी 2026 को उनके पति घर पर मौजूद नहीं थे और वह अकेली थी। आरोप है कि आरोपी नशीली कोल्डड्रिंक लेकर उनके घर पहुंचा और उन्हें पिला दी।यूपी के हापुड़ थाना देहात क्षेत्र के दोयमी रोड स्थित एक मोहल्ला निवासी महिला से 20 जनवरी 2026 को नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर पति के दोस्त ने दुष्कर्म कर वीडियो बना ली। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी कई बार दुष्कर्म कर महिला से डेढ़ लाख रुपये ऐंठ चुका है। अब आरोपी अपने एक दोस्त से शारीरिक संबंध बनाने का महिला पर लगातार दबाव भी बना रहा था। पुलिस ने महिला की तहरीर पर दो नामजद व्यक्तियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। %...उस दिन मैं घर में अकेली थी%-महिला ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनके पति का दोस्त गांव असौड़ा निवासी शरीफ मेरठ रोड स्थित मोहल्ला आवास विकास में सब्जी की दुकान करता है। पति का दोस्त होने के कारण उसका उनके घर भी आना जाना था। 20 जनवरी 2026 को उनके पति घर पर मौजूद नहीं थे और वह अकेली थी। आरोप है कि आरोपी नशीली कोल्डड्रिंक लेकर उनके घर पहुंचा और उन्हें पिला दी। इसके बाद वह बेहोश हो गई और आरोपी ने उनके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने नग्न अवस्था में उनकी वीडियो व फोटो भी खींच लिए। आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार उनके साथ दुष्कर्म किया और ब्लैकमेल कर उनसे डेढ़ लाख रुपये भी ऐंठ लिए। अब अपने दोस्त के साथ संबंध बनाने को कर रहा मजबूर-अब आरोपी उन पर अपने एक दोस्त अमन चौधरी उर्फ मूले से शारीरिक संबंध बनाने व दो लाख रुपये और देने का लगातार दबाव बनाता आ रहा है। ऐसा न करने पर आरोपी व उसके दोस्त उनके पति को जान से मारने व उनकी वीडियो वायरल करने की धमकी भी देता आ रहा है। इससे उनका व उनके पति का घर से निकलना दूभर हो गया है।शरीफ और अमन चौधरी पर मामला दर्ज-सीओ अनीता चौहान ने बताया कि महिला की तहरीर पर शरीफ व अमन चौधरी उर्फ मूले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी शरीफ को ततारपुर चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी अमन चौधरी उर्फ मूले की तलाश कर रही है।

अंकित बालियान हत्याकांड: सामने आए नए वीडियो, 66 सेकेंड की फुटेज में मौत का मंजर, 22 सेकेंड में जिंदगी खत्म

शामली के बंतीखेड़ा गांव के मूल निवासी हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की चार बदमाशों ने नौ गोलियां मारकर हत्या कर दी। अब

इस हत्याकांड के कुछ और वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें हत्यारे गोलियां मारकर आराम से जाते दिख रहे हैं। हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड की दो और सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इनके सामने आने के बाद वारदात की पूरी तस्वीर धीरे-धीरे साफ हो रही है। एक मिनट छह सेकेंड की फुटेज में जिम से बाहर निकलने से लेकर हमलावरों की फायरिंग और उनके फरार होने तक का घटनाक्रम कैद है। वहीं दूसरी करीब पांच मिनट चार सेकेंड की फुटेज में वारदात के बाद घटनास्थल पर जुटी भीड़, लोगों की बातचीत और मौके का माहौल दिखाई दे रहा है। पहली फुटेज में सबसे खौफनाक बात यह सामने आती है कि हमलावरों ने महज 22 सेकेंड के भीतर अंकित को गोलियों से छलनी कर दिया।

मैं लूजर हूं...- एएमयू में बीए छात्र ने की खुदकुशी, कमरे में मिला पांच लाइन का सुसाइड नोट; लिखी ये बातें

अलीगढ़ स्थित एएमयू में बीए छात्र ने खुदकुशी कर ली। जिस समय छात्र ने जान दी, उसका रूममेट बाहर गया हुआ था। कमरे में पांच लाइन का सुसाइड नोट मिला है।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के विदेशी भाषा विभाग के बीए द्वितीय वर्ष के छात्र कृष्णा शर्मा की निजी पीजी में मौत के मामले में पुलिस को पांच लाइन का सुसाइड नोट मिला है। नोट में छात्र ने परिवार के प्रति अपने प्रेम का जिक्र करते हुए खुद को लेकर निराशा व्यक्त की है। नोट में 'मैं लूजर हूं' जैसे शब्द भी लिखे होने की बात सामने आई है। जम्मू-कश्मीर निवासी कृष्णा मुजम्मिल मंजिल के पीछे स्थित निजी पीजी में साथी छात्र के साथ रहता था। बृहस्पतिवार रात उसका रूममेट बाहर गया हुआ था। देर रात लौटने पर दरवाजा नहीं खुला तो उसने अन्य किरायेदारों की मदद से पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे में प्रवेश किया और छात्र को मृत पाया।पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आत्महत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है।

Can excessive tea and coffee affect women's hormonal balance? Learn the truth.

Can excessive tea and coffee consumption affect women's hormones? How much does caffeine affect periods, fertility, and pregnancy? Learn how much tea or coffee is considered safe per day, and under what conditions should you reduce caffeine intake and consult a doctor. Starting the morning with tea or coffee is a common habit for most people. Furthermore, caffeinated beverages can provide immediate relief when feeling tired, sleepy, or under pressure from work. However, health experts say that drinking too much tea or coffee throughout the day can be detrimental to health. This raises the question of whether excessive caffeine can also affect women's hormones and reproductive health. Health experts say that excessive caffeine can have various effects on the body. In some women, it can also lead to sleeplessness, restlessness, palpitations, stomach problems, or menstrual problems. However, the risk of hormonal imbalance due to this has been observed to be low. Experts from the American College of Obstetricians and Gynecologists recommend consuming less than 200 mg of caffeine during pregnancy. Which women should be more cautious? Let's understand this in simple terms. Does caffeine disrupt hormonal balance? It's not correct to directly attribute caffeine to hormonal imbalances. Some studies have discussed a possible link between caffeine and hormones like estrogen, but this doesn't necessarily mean that drinking tea and coffee definitely disrupts women's hormones. Excessive caffeine consumption can cause problems like sleep disturbances, anxiety, and increased stress. These changes can indirectly affect menstruation and everyday health. Effects on periods and fertility: Studies are not entirely clear on the effects of caffeine on menstruation. Some studies have shown changes in the duration of the menstrual cycle due to excessive caffeine consumption, but this does not prove that caffeine is the cause. Similarly, available research has not found clear evidence that moderate caffeine consumption reduces the ability to conceive. If your periods are consistently irregular, you're experiencing excessive pain or bleeding, or you're having trouble conceiving, it's important to consult a doctor instead of simply blaming tea and coffee. Doctors say limiting caffeine intake during pregnancy is recommended. In addition to tea and coffee, chocolate, energy drinks, and some other products may also contain caffeine. When should you be cautious? If you experience frequent heart palpitations, restlessness, hand tremors, headaches, stomach upset, or sleep disturbances after consuming tea or coffee, you should consider your caffeine intake. Caffeine can interfere with sleep and increase anxiety or restlessness in some people. It can also contribute to nausea and sleep disturbances during pregnancy. If these problems are accompanied by frequent changes in periods, excessive fatigue, or other hormonal symptoms, simply reduce your tea and coffee intake and consult a doctor. So, should you stop drinking tea and coffee? Doctors say that tea and coffee can generally worsen stomach problems, but they don't pose a risk of hormonal problems. However, if you experience persistent irregular periods, difficulty conceiving, abnormal bleeding, or other hormonal symptoms, consult a doctor. Instead of completely eliminating tea and coffee, it's important to moderate your intake and seek medical advice if necessary.

Looking to visit Dwarka this Janmashtami? Here's how to plan a 3-day trip from Delhi.

If you want to visit Dwarka this Krishna Janmashtami, read this article until the end. Here, we'll share a complete budget plan for your trip to Dwarka. If you're planning to visit Dwarka, the city of Lord Krishna, on the occasion of Krishna Janmashtami, this trip from Delhi can be very special for you. During Janmashtami, a large number of devotees from across the country visit the Dwarkadhish Temple, and the entire city is immersed in the spirit of Krishna devotion. If you want to visit Dwarka from Delhi on a budget, it's important to understand the cost of train fares, hotels, food, and local transportation before your trip. With proper planning, you can visit the Dwarkadhish Temple and explore the surrounding areas at a low cost. Here, learn the easiest way to get to Dwarka from Delhi, how many days to plan your trip, where to stay, and how much the entire trip will cost. Delhi to Dwarka 3-Day Budget Travel Plan If you're planning a Janmashtami trip from Delhi to Dwarka, Gujarat, a 3-day/2-night itinerary is more convenient than a 2-day/1-night itinerary. Dwarka is particularly crowded during Janmashtami, and special religious ceremonies are held around the temple. Departing from Delhi to Dwarka: A train can be the most economical option for traveling from Delhi to Dwarka. Those traveling on a budget can choose sleeper class. Train availability, schedule, and fares may vary depending on your travel dates. Estimated costs: Sleeper class: approximately ?600–?900 per person one way 3AC: approximately ?1,500–?2,000 per person one way Traveling from Delhi to Dwarka, Gujarat by bus is possible, but the journey can be longer than by train. The distance from Delhi to Dwarka is over 1,000 kilometers, so the bus journey can take approximately 18 to 24 hours or more. Bus times vary depending on the route, operator, and traffic. The easiest way to travel by bus: From Delhi, take a bus to Ahmedabad or Rajkot. After reaching Ahmedabad or Rajkot, you can get another bus to Dwarka. If a direct bus is available from Delhi to Dwarka, it would be a more convenient option. AC Sleeper buses are comfortable, while non-AC buses may be relatively cheaper. Buses can be crowded during Janmashtami, so it's best to book tickets in advance. Estimated bus budget: Delhi to Gujarat: approximately ?1,000–?1,000 Gujarat to Dwarka: approximately ?300–?700 Total one-way: approximately ?1,300–?2,700 per person. However, bus fares can vary significantly depending on the date, bus operator, and seat type. Fares during Janmashtami may be higher than normal. The easiest way to get there is by air. The nearest operational airport from Delhi to Dwarka is Jamnagar (JGA) or Rajkot (HSR). Connecting flights are available from Delhi to Jamnagar. Dwarka is just 120 km from Jamnagar Airport, which can be covered in 2 hours by bus or taxi. After reaching Dwarka, check in at the hotel and freshen up before visiting the Dwarkadhish Temple. After this, you can cover the following places: Dwarkadhish Temple Gomti Ghat Sudama Setu Dwarka Beach Rukmini Devi Temple Nageshwar Jyotirlinga During Janmashtami, the Dwarkadhish Temple is filled with special pujas, bhajans, and religious programs. If you want to witness the main Janmashtami celebrations, avoid the return train that night. Bet Dwarka and Shivrajpur Beach: Leave for Bet Dwarka early in the morning on the third day. After visiting Bet Dwarka, you can explore the Okha area and surrounding areas. After this you can go to Shivrajpur Beach. After spending some time here, return to Dwarka in the evening and catch your return train, flight or bus. Where to stay in Dwarka For budget travellers, it will be convenient to choose hotels, dharamshalas or guest houses near Dwarkadhish Temple, railway station and main market. Staying near the temple can also reduce local travel expenses. Food cost in Dwarka If travelling on a budget, you can opt for local food and simple thali. Breakfast: ?50– 00 Lunch: ?100–?180 Dinner: ?100–?200 Tea and light snacks: ?50–?100 Thus, one can travel on a food budget of around ?250–?500 per day.

Ravi Teja's film shows strong momentum on the second day, earning this many crores in two days

Ravi Teja's new Telugu film, "Irumudi," is performing exceptionally well at the box office. Find out how much the film has earned in India in two days. Ravi Teja's "Irumudi" is an emotional action drama, starring Ravi Teja as a father. The story is based on the relationship between a father and daughter. The emotional story, along with the action, is resonating with audiences, leading to positive word-of-mouth. The film is also performing exceptionally well at the box office. Strong earnings in two days - After a strong opening day, the film increased its earnings on the second day as well. The film is receiving a positive response from audiences, which is clearly reflected in its earnings. According to trade reports, "Irumudi" earned approximately ?16.10 crore nett in India on its second day of release. The film earned ?15.30 crore on its first day. This means its earnings increased by approximately 5.2% on the second day. In just two days, it has now collected ?31.40 crore nett in India. Andhra Pradesh and Telangana have contributed the most to the film's earnings, with the Telugu states seeing the highest occupancy and selling the most tickets. The Telugu version maintained its strong hold at the box office on the second day as well.

"A 1000 crore film doesn't mean..." 'Haiwaan' actress Saiyami Kher recounts the story of '8 AM Metro'

"Haiwaan" actress Saiyami Kher has spoken about the talent of actors in Bollywood and the box office. She also praised the makers who gave her opportunities. Actress Saiyami Kher is in the news for her upcoming film "Haiwaan." Meanwhile, she has spoken about the performances of her films "Ghoomar" and "8 AM Metro." She also highlighted that an artist's talent cannot always be measured by a film's earnings. What did Saiyami Kher say about respect? In an interview with Hindustan Times, the actress said that box office collections do not reflect the respect an artist receives from the audience. She added that a 1000 crore film does not guarantee respect. She said, "I am satisfied with a film like '8 AM Metro.'" It became a big hit on YouTube and was later acquired by an OTT platform. Until it became a big hit on YouTube, no one was buying it. I feel the respect I received from '8 AM Metro' is something I haven't received from any other film. What did the actress say about her box office success? Regarding the tendency to link an artist's future opportunities to box office performance, Saiyami said, "I think there's a lot of talk about the box office in Bollywood. Your next film depends on how much money it makes, which is sad. It depends less on talent and more on how much money your film makes. However, it's a business. If your film isn't profitable, how will producers make it? So, I understand the importance of box office success." Kher praised the makers. Kher also spoke about the respect he received from filmmakers who decided to work with him despite market pressures. She said, "Any big star could have been cast in 'Ghoomar', but R. Balki sir said, 'You are the right person for this script. If I cast someone else, it would be unfair to the script.' When big makers support me in some projects and say that we don't see anyone else except you in this project, I feel a kind of respect." Saiyami Kher's work front - If we talk about work, Saiyami Kher will next be seen in Priyadarshan's film 'Haiwaan'. It also stars Akshay Kumar and Saif Ali Khan. The film is going to be released in theatres next month.

Did Taapsee Pannu respond to Kangana Ranaut? She responded with a cryptic post.

Taapsee Pannu has posted a cryptic post to Kangana Ranaut's recent comment. It's believed to be her response to Kangana. Actresses Kangana Ranaut and Taapsee Pannu have been locked in a long-running war of words. Their heated debates have often made headlines. Recently, Taapsee Pannu was asked if they had resolved their dispute, to which she spoke about parenting. Kangana's response reignited the controversy. Now, Taapsee Pannu has responded to the renewed feud with a cryptic post. What was Taapsee Pannu's response? While not directly addressing Kangana Ranaut's recent comment, Taapsee Pannu shared a cryptic post on her Instagram story. It simply read, "Proven." With this, it appears that Taapsee stands by her recent statement. She had said that her opinion about Kangana reflects her upbringing, just as Kangana's opinion is shaped by her own upbringing. The "Thappad" actress said, "I think it's enough to see and decide where someone comes from." What did Kangana say? In a now-deleted post, Kangana wrote... A "cheap copy" is making the rounds with her upcoming B-grade film. But as always, the main issue for the media is Kangana Ranaut. Today, she crossed all limits by shamelessly mocking my upbringing/parents. All parents try their best. I never drag parents into any debate. Today, I also want to ask her parents why they couldn't give birth to a real human being like my parents?" Previous arguments - In 2019, Taapsee and Kangana were embroiled in a public spat when Kangana's sister, Rangoli Chandel, accused Taapsee of copying Kangana and called her a "cheap copy." These comments came after Taapsee praised the trailer of "Judgementall Hai Kya" but didn't specifically mention Kangana. This incident led to several heated exchanges between the two. Taapsee later responded to these comparisons, saying she had no intention of engaging in mudslinging.